साांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746
वर्ष–01 अंक–254 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार
" इतिहास गवाह है... चक्रव्यूह उन्हीं के लिए रचा जाता है, जिन्हें मिटाना आसान नहीं होता ...!!
अज्ञात...

निगम में करोड़ों का पेवर ब्लॉक घोटाला : बीजेपी ने कहा–दोषी अफसर और ठेकेदार पर FIR करो

वरना नगर निगम भिलाई मुख्यालय में उग्र आंदोलन दी गई चेतावनी, उच्चाधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम में करोड़ों के पेवर ब्लॉक घोटाले पर सियासत गरमा गई है। कलेक्टर की जांच कमेटी में गड़बड़ी उजागर होने के बाद भाजपा जिला भिलाई और विपक्षी पार्षद दल ने मोर्चा खोल दिया है। भाजपा जिला प्रभारी रामजी भारती और जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर अल्टीमेटम दिया है – 8 दिन के भीतर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर FIR नहीं हुई तो निगम मुख्यालय का घेराव कर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी वैधानिक जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी।

घोटाला सिर्फ नाप–जोख तक सीमित नहीं, पूरी प्रशासनिक व्यवस्था कठघरे में

सूत्रों के मुताबिक यह घोटाला सिर्फ माप पुस्तिका में हेराफेरी तक सीमित नहीं है। शहर को स्मार्ट बनाने के लिए बनी परियोजना शाखा ही टेंडर शाखा बन गई। 50 लाख से ऊपर के सभी बड़े टेंडर इसी शाखा से हुए। जांच कमेटी को 50 लाख से ऊपर की फाइलें तक नहीं दी गईं, उन्हें छिपा दिया गया।

सबसे बड़ा सवाल – जांच में सिर्फ उप अभियंता को दोषी बताया गया, जबकि सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता (सुनील जैन), अधीक्षण अभियंता (एके तिग्गा) और मुख्य अभियंता को क्लीन चिट दे दी गई। जबकि नियमानुसार प्रस्ताव बनाने से बिल पास होने तक फाइल 6 स्तर से होकर आयुक्त तक जाती है। आयुक्त की सहमति के बाद ही अकाउंट ऑफिसर बिल पास करता है। फिर सिर्फ उप अभियंता दोषी कैसे ?

क्या बोलीं आयुक्त ?

आयुक्त रुचि सिंह ने कहा – "जितनी भी फाइलें हैं, वह सभी परियोजना शाखा की हैं। इसलिए मैंने आते ही परियोजना शाखा से निविदा बंद कराई। अभी भी निगरानी रखे हुए हैं। जनप्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपा है, जल्द विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।"

भाजपा और विपक्षी पार्षद दल की 6 सूत्रीय मांग –

जांच में दोषी पाए गए अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों/एजेंसियों पर तत्काल FIR दर्ज हो।
आर्थिक अनियमितता में शामिल हर व्यक्ति पर विधिसम्मत कठोर कार्रवाई हो।
पेवर ब्लॉक की सभी फाइलें, माप पुस्तिका, भुगतान रिकॉर्ड और कायार्देश की जांच हो, गायब फाइलें सुरक्षित की जाएं।
जांच सिर्फ अधिकारियों तक सीमित न हो, स्वीकृति से भुगतान तक हर स्तर की भूमिका तय हो।
शासकीय राशि की क्षति हुई तो वसूली की जाए।
पूरी जांच रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक की जाए।

भिलाई महापौर नीरज पाल का बीजेपी पर बड़ा हमला: पेवर ब्लॉक में गड़बड़ी पर बयानबाजी करने वाले पहले अपना गिरेबान देखें

पेवर ब्लॉक मामले में बयानबाजी कर रहे बीजेपी पार्षदों और नेताओं पर भिलाई महापौर नीरज पाल ने आक्रामक पलटवार किया है। महापौर ने कहा कि मैं उन लोगों को जवाब देना भी नहीं चाहता, सिर्फ सच्चाई जनता के सामने रख रहा हूं।

महापौर नीरज पाल का बयान

पेवर ब्लॉक के जिन 32 प्रकरणों की बात की जा रही है, वो सभी कार्य 1 करोड़ रुपए से नीचे के हैं। नियम सब जानते हैं – 1 करोड़ से ऊपर के प्रस्ताव महापौर परिषद (टक्ळ) में लाए जाते हैं। 1 करोड़ से नीचे के कार्यों का प्रस्ताव बनाना, प्रशासनिक स्वीकृति देना, वित्तीय स्वीकृति देना और बिल पास करना – ये पूरा अधिकार आयुक्त का होता है। तो साफ है कि तात्कालिक आयुक्त ने ही अभियंता, उप अभियंता और सहायक अभियंता से परियोजना शाखा के माध्यम से प्रस्ताव बनवाया, स्थल चयन किया, स्थल प्रतिवेदन बनाया, काम कराया और भुगतान देकर बिल भी पास किया। इसमें महापौर परिषद का कोई लेना–देना ही नहीं है।

जब सामान्य सभा में पार्षद संतोष मौर्य ने कई बार यह मुद्दा उठाया, तब यही बीजेपी पार्षद उनका साथ नहीं दे रहे थे। एक जनप्रतिनिधि दावे के साथ प्रमाण सहित गड़बड़ी का मुद्दा उठा रहा था, तब मैंने ही सदन के माध्यम से कलेक्टर से जांच की मांग की थी।

कांग्रेस के सभी पार्षदों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों की निष्पक्ष जांच की मांग की। MIC सदस्यों ने प्रेस वार्ता लेकर भी साफ कहा था – गड़बड़ी हुई है तो अधिकारी हो या ठेका एजेंसी, सब पर कार्रवाई हो। हमारी मांग पर ही कलेक्टर ने जांच की और कार्रवाई का आदेश दिया। अब सवाल ये है कि जिन बीजेपी नेताओं को कलेक्टर की कार्रवाई पर भरोसा नहीं है, तो प्रदेश में उनकी ही सरकार है। जाएं नगरीय

निकाय मंत्री से मिलें, उट से मिलें, एडह से जांच करा लें, उइकसे जांच करा लें, जिस एजेंसी से चाहें जांच करा लें। हम तो पहले दिन से जांच की मांग कर रहे हैं।

जब ये भिलाई में उइकबुलाने की बात करते हैं तो इसकी भी जांच करा लें। लेकिन ये जांच कराएंगे नहीं। क्योंकि ये सिर्फ अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए बयानबाजी कर रहे हैं। सच्चाई ये है कि काम करने वाली एजेंसी और ठेकेदार इनके ही चहेते हैं। ये खुद नहीं चाहते कि निष्पक्ष जांच हो और कार्रवाई हो। नगर निगम चुनाव आ रहा है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है, जनता के बीच ले जाने लायक एक भी काम नहीं किया है। इसलिए बेवजह मुद्दा बनाकर चेहरा चमकाने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव तक यही नौटंकी करेंगे। जनता सब समझती है।

EOW का बड़ा एक्शन : भिलाई के विधायक पर भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, वसूली और फर्जीवाड़े के संगीन आरोप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो (EOW / ACB), छत्तीसगढ़, रायपुर ने भिलाई के एक व्यक्ति के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। EOW के विवेचना अधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा क्रमांक /सूत्रो/उ.पु./राय./अप्र.03(2024)/M–16589/2026, दिनांक 09.09.2026 को जारी नोटिस (अंतर्गत धारा 170 CrPC) के अनुसार भिलाई विधायक देवेन्द्र सिंह यादव पिता स्व. इदल सिंह यादव, निवासी क्वा. नं. 7बी, स्ट्रीट नं. 41, सेक्टर–5, भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) के खिलाफ अपराध क्रमांक 03/2024, धारा 7, 7ए, 12

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) और भा.द.वि. की धारा 420, 120बी, 384, 467, 468, 471 के तहत आरोपी है।

नोटिस में उल्लेख है कि विवेचना पूर्ण होने के बाद आरोपी के विरुद्ध 05 अक्टूबर 2026 (हस्तलिखित संशोधन के अनुसार 05 अक्टूबर 2026) को विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) जिला रायपुर में अभियोग पत्र (चालान) प्रस्तुत किया जा रहा है।

कोर्ट में हाजिर होने का आदेश

अभियोग पत्र प्रस्तुत करते समय आरोपी की उपस्थिति बाध्यकारी होने से उसे दिनांक 05 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे विशेष न्यायालय (भ.नि. अधि.) में उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

EOW ने नोटिस में स्पष्ट किया है कि विवेचना में सहयोग करते हुए न्यायालय में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। यह मामला कोयला, डीएमएफ या बड़े आर्थिक अपराध से जुड़े चर्चित अपराध क्रमांक 03/2024 का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें पहले भी कई लोगों पर चालान पेश हो चुका है।

खेत में मिली नन्ही परी के लिए मसीहा बने पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, कहा– मासूम का जीवन सबसे पहले

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सरगुजा के दरिमा में खुले खेत में असहाय पड़ी मिली एक नवजात बच्ची की खबर ने सबका दिल झकझोर दिया। लेकिन इस मासूम के लिए फरिश्ता बनकर आगे आए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल।

खबर मिलते ही मंत्री जी ने एक पल भी गंवाए बिना सीधे CMHO को फोन लगाया। फोन पर ही बच्ची के स्वास्थ्य की जानकारी ली और सख्त निर्देश दिए – "इस बच्ची के इलाज में कोई कमी नहीं होनी चाहिए, हर सुविधा मिलनी चाहिए।" मंत्री अग्रवाल ने बेहद भावुक होते हुए कहा – एक छोटी सी जान का इस तरह खेत में असहाय मिलना बहुत पीड़ादायक है। अभी सबसे जरूरी है इस नन्ही गुड़िया की जान, उसका स्वास्थ्य और उसकी सुरक्षा। इसे सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि एक सुरक्षित आंचल और भविष्य चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को साफ कहा कि बच्ची को लगातार डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाए, जो भी जरूरत हो तत्काल उपलब्ध कराई जाए। साथ ही बाल संरक्षण विभाग को भी निर्देश दिए कि बच्ची के आगे के जीवन, पालन–पोषण और संरक्षण के लिए पूरी संवेदनशीलता से काम किया जाए।

बताया जा रहा है कि दरिमा के ग्रामीणों ने खेत के पास इस नवजात को देखा और तुरंत मदद के लिए आगे आए। अभी बच्ची को अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया है। अंत में मंत्री ने नम आंखों से प्रार्थना की – ईश्वर से प्रार्थना है कि ये नन्ही परी जल्द स्वस्थ हो, इसके जीवन में खुशियों की नई सुबह आए। हम सब मिलकर इसे सुरक्षित वातावरण देंगे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अस्पताल पहुंचकर जाना सड़क हादसे में घायलों का हाल

नेशनल हाईवे–30 स्थित मरकाटोला घाट पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में घायल कवर्धा के लोगों से मिलने उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने घायलों का कुशलक्षेम जाना और उनके परिजनों से मुलाकात की व स्थिति की जानकारी ली।

श्री शर्मा ने घायल रोमन सोरा से मुलाकात कर उनसे स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने परिजनों से भी उपचार और अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में चर्चा की। परिजनों ने उपचार व्यवस्था पर संतुष्टि व्यक्त की। श्री शर्मा ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से घायल के स्वास्थ्य और आगे के उपचार की जानकारी ली। चिकित्सकों ने बताया कि घायल के पैरों का ऑपरेशन किया जाना है। शारीरिक स्थिति सामान्य होने के बाद आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस पर उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों एवं संबंधित अधिकारियों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अस्पताल सुपरिटेंडेंट डॉ संतोष सोनकर, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सुंदरानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा हादसे के बाद से लगातार सभी घायलों के उपचार की जानकारी ले रहे हैं। एक घायल को उच्च स्तरीय उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित कराया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में भर्ती सभी घायलों को समुचित एवं बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इस बीच स्वास्थ्य में सुधार के बाद चार घायलों अरमान कोसले, गणेश पात्रे, प्रदीप साहू और दीप चन्द्र को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

निलंबित IPS रतनलाल डांगी की बढ़ी मुश्किलें

सरकार ने हाईकोर्ट में कहा – आरोप प्रमाणित, नई जांच के लिए 2 IPS के नाम प्रस्तावित

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

निलंबित IPS अधिकारी रतनलाल डांगी के खिलाफ महिला उत्पीड़न मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में बताया है कि प्रारंभिक जांच में डांगी के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए हैं।

सरकार ने कोर्ट को यह भी बताया कि आगे की विभागीय जांच के लिए DGP की ओर से गृह सचिव को दो वरिष्ठ IPS अधिकारियों का नाम प्रस्तावित किया गया है। IPS दीपांशु काबरा को जांचकर्ता अधिकारी और IPS प्रशांत कुमार अग्रवाल को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी बनाया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी।

जांच की निष्पक्षता पर उठे थे सवाल

याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में जांच अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाया था। आरोप था कि जिन अधिकारियों से जांच कराई जा रही है, उनकी भूमिका को लेकर पीड़िता ने आपत्ति

जताई है और वे आरोपी अधिकारी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

हाईकोर्ट ने 12 अगस्त और 2 सितंबर को सरकार से शपथपत्र के साथ जवाब मांगा था। जवाब में देरी पर कोर्ट ने नाराजगी भी जताई थी और एक सप्ताह की अंतिम मोहलत दी थी।

क्या है पूरा मामला ?

यह मामला एक महिला योगा प्रशिक्षक की शिकायत से जुड़ा है। आरोप है कि ऑनलाइन योग सत्र के दौरान क्ढर रतनलाल डांगी से उनका संपर्क हुआ था। बाद में अश्लील मैसेज और वीडियो कॉल पर अनुचित व्यवहार किया गया। विरोध करने पर महिला के रकपति को झूठे केस में फंसाने और नक्सल इलाके में ट्रांसफर कराने की धमकी दी गई।

पीड़िता ने 15 अक्टूबर 2025 को DGP से शिकायत की थी, जिसके बाद मार्च 2026 में डांगी को सस्पेंड कर दिया गया था। पीड़िता ने रायपुर, राजिम, कटघोरा, बिलासपुर और राजस्थान में डांगी की कथित अवैध संपत्तियों की जांच की भी मांग की है।

भिलाई का चर्चित 250 टन लोहा चोरी कांड

राज्य सरकार ने सौंपी CBI को जांच भिलाई–3 पुलिस से मांगी केस डायरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसएपी से 250 टन लोहा चोरी के सनसनीखेज मामले में बड़ा मोड़ आ गया है। राज्य सरकार ने इस पूरे कांड की जांच CBI से कराने का निर्णय लिया है। आज सीबीआई की टीम ने भिलाई–तीन पुलिस से संपर्क कर प्रारंभिक जानकारी ली है। हालांकि अभी औपचारिक रूप से केस डायरी सीबीआई को हैंडओवर नहीं हुई है।

गौरतलब है कि इस मामले में कई रसूखदार आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि दुर्ग पुलिस ने कोर्ट में पूरक चालान पेश कर दिया है।

अब क्या करेगी CBI?

अधिवक्ता सौरभ चौबे के अनुसार CBI प्रक्रिया के तहत राज्य पुलिस की FIR को रेगुलर केस

(RC) के रूप में दर्ज करेगी। पुरानी भिलाई थाने की अब तक की जांच की केस डायरी, जब्त माल, बैंक खातों के विवरण, CCTV फुटेज और CDR अपने कब्जे में लेगी। संयंत्र के अंदर के स्टॉक रजिस्टर, गेट पास, तौल कांटा के रिकॉर्ड और आंतरिक सुरक्षा रिपोर्ट का मिलान और ऑडिट कराएगी। संदिग्धों, गवाहों को समन जारी कर रिमांड में लेकर पूछताछ कर सकती है।

250 टन लोहे की चोरी में संयंत्र के भीतर से लेकर बाहर तक बड़े नेटवर्क की आशंका जताई जा रही है, जिसकी अब केंद्रीय एजेंसी परत–दर–परत जांच करेगी।

मुख्य मार्ग पर पुन: बैरिकेड्स लगाए जाने से आम नागरिकों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ी

कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे विभिन्न समस्याओं के आवेदन, अधिकारियों को जांच कर शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निदेर्शानुसार अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 80 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में भिलाई निवासी ने पुनः लगाए गए बैरिकेड को हटाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि नेहरू नगर स्थित केपीएस स्कूल के समीप मुख्य मार्ग पर पुनः बैरिकेड्स लगाए जाने से आम नागरिकों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। व्यस्त मार्ग पर बैरिकेडिंग के कारण क्षेत्र की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे राहगीरों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस पर अपर कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम भिलाई को जांच कर कार्यवाही करने को कहा।

नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत सुपेला के संजय नगर (लोधीपारा), वार्ड क्रमांक 06 के वार्डवासियों ने अमृत मिशन जल प्रदाय योजना के तहत लगाए गए नल कनेक्शन को बंद करने के लिए आवेदन दिया है। वार्डवासियों का कहना है कि योजना के तहत नल कनेक्शन लगाए जाने के बावजूद नलों से पानी नहीं आता है। इसके बाद भी उन्हें जलकर के नाम पर भारी-भरकम बिल दिया जा रहा है, जबकि वे जल प्रदाय योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इस पर अपर कलेक्टर ने नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अहिवारा तहसील के ग्राम नारधा वासियों ने पंचायत द्वारा कुछ लोगों को ही बेजा कब्जा हटाने दिए गए नोटिस को निरस्त करने और अतिक्रमण पर कार्यवाही करने आवेदन दिया। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम नारधा में बेजा कब्जा हटाने के लिए कुछ लोगों को नोटिस जारी किया गया है। जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत गांव के दोनों खेल मैदान, चारागाह भूमि, घरसा रोड, मुक्तिधाम, गलियों, चौक-चौराहों, मंदिर-देवालयों और आम रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कराना आवश्यक है। इसके बावजूद पंचायत द्वारा केवल 4-5 लोगों को ही बेजा कब्जा हटाने का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने जारी नोटिस निरस्त कर सार्वजनिक भूमि का सीमांकन कराने और अतिक्रमण के मामलों में समान रूप से नियमानुसार कार्यवाही करने की मांग की है। इस पर अपर कलेक्टर ने तहसीलदार अहिवारा को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

खास खबर

सक्षम योजना से हिमांशी को मिली नई पहचान पार्लर व बुटीक व्यवसाय से बनीं आत्मनिर्भर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली ग्राम नवागांव (पुरदा), दुर्ग निवासी हिमांशी वर्मा ने अपनी मेहनत, लगन और शासन की सक्षम योजना से आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। कभी आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण अपना व्यवसाय शुरू करने में कठिनाइयों का सामना करने वाली हिमांशी आज पार्लर एवं बुटीक का संचालन कर अपने सपनों को साकार करने में जुटी हैं।

हिमांशी के मन में हमेशा से स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने की इच्छा थी, लेकिन सीमित आर्थिक संसाधन उनके रास्ते में बाधा बन रहे थे। इसी दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता शर्मा के माध्यम से उन्हें सक्षम योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जिसके बाद उन्हें 80 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। योजना से मिली इस सहायता का उपयोग हिमांशी ने अपने पार्लर एवं बुटीक व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। लगभग एक वर्ष पहले शुरू किया गया उनका यह व्यवसाय अब धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रहा है। वर्तमान में उनके पास प्रतिदिन लगभग 5 से 7 ग्राहक आते हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन करीब 250 से 300 रुपये तक की आय हो रही है। हिमांशी अपने व्यवसाय का संचालन स्वयं कर रही हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में भी योगदान दे रही हैं। उनके लिए सक्षम योजना से मिली सहायता केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी बनी है। हिमांशी वर्मा कहती हैं कि सक्षम योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया है। आज उनका अपना व्यवसाय है और वे अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। सक्षम योजना स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही आत्मविश्वास और नई उम्मीद का माध्यम बनी है।

फर्जी खाद्य अनुज्ञप्ति बनाने वालों से रहे सावधान, विभाग ने कारोबारियों से किया अपील

दुर्ग। खाद्य लाईसेंस/खाद्य पंजीयन/खाद्य अनुज्ञप्ति बनाने के नाम से बाजार में कुछ व्यक्ति घुम रहे है, जो खाद्य लाईसेंस/खाद्य पंजीयन/खाद्य अनुज्ञप्ति बनाने का दावा कर व्यापारियों से मोटी रकम वसूल रहे हैं।

उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन से प्राप्त जानकारी अनुसार फर्जी खाद्य लाईसेंस/खाद्य पंजीयन/खाद्य अनुज्ञप्ति बना कर लोगों/व्यापारियों को गुमराह कर रहें हैं। हिमांशु पाठक अधिवक्ता बिलासपुर उच्च न्यायालय छ.ग. के नाम से फर्जी जुमार्ना रसीद बनाकर खाद्य कारोबारकर्ता/व्यापारियों से खाद्य जनित बीमारी/फूड प्वाइजनिंग के नाम से 5 हजार रूपए तक की फर्जी रसीद काटकर रकम वसूली करने की शिकायत कार्यालय को प्राप्त हुआ है। इसी तरह शहर में संचालित च्वाईस सेंटरों के द्वारा खाद्य अनुज्ञप्ति पंजीयन बना कर दे देंगे कह कर भारी भरकम राशि उनके द्वारा वसूली जा रही है एवं कई फर्जी आदमी अपने आप को खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा फूड आफिस में कार्यरत हैं कहकर लाईसेंस/पंजीयन हेतु आवेदन लेकर लाईसेंस बनाकर दे देंगे कहकर रकम लेकर फरार हो रहे है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाद्य कारोबारियों से ऐसे व्यक्तियों के झांसे में नहीं आने और किसी को भी बिना सत्यापन के राशि नहीं देने की अपील की है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के लाइसेंस और पंजीयन से संबंधित सही जानकारी तथा आवश्यक प्रक्रिया के लिए कार्यालय उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

स्व. परसराम भारद्वाज की जयंती पर उन्हें दी श्रद्धांजलि

दुर्ग। गुरुवार को शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेस भवन, दुर्ग में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद स्व. परसराम भारद्वाज की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 11:30 बजे राजीव भवन, दुर्ग में स्व. परसराम भारद्वाज जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि स्व. भारद्वाज जी ने अपना पूरा जीवन कांग्रेस की विचारधारा और जनसेवा के लिए समर्पित कर दिया था। ब्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद ,आनंद कपूर ताम्रकार प्रवक्ता नासिर खोखर, सुशील भारद्वाज कार्यालय प्रभारी सुनीत घोष, दुष्यंत देवांगन , मुकेश साहू, पालेश्वर ठाकुर, जयप्रकाश साहू, जामवंत, बृजपाल, गजानन साहू, सुश्री स्नेहा डहरिया, अभिनव बघेल, हिमांशु शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

दुर्ग निगम की सामान्य सभा की बैठक में भाजपा पार्षदों ने ही महापौर को घेरा

उठाया बदहाल प्रकाश व्यवस्था, जलसंकट, सड़क और सफाई का मुद्दा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक में बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा पार्षद दल के भीतर की खींचतान और शहर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी खुलकर सामने आई। निगम मुख्यालय स्थित स्व. मोतीलाल वोरा सभागृह में सभापति श्याम शर्मा की अनुमति से सुबह 11 बजे बैठक शुरू हुई। शुरूआत से ही सत्तापक्ष भाजपा के पार्षदों के साथ विपक्षी कांग्रेस के पार्षदों ने भी महापौर अलका बाघमार को शहर की समस्याओं को लेकर घेरा। प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, जर्जर सड़कें, सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर सदन में तीखे सवाल उठे।

तहसील कार्यालय से शनिचरी बाजार चौक का मार्ग स्व. चैनसुख भट्टड़ के नाम, इंदिरा मार्केट कुंआ चौक भगवान परशुराम चौक कहलाएगा

सत्ता और विपक्ष के पार्षदों ने एक स्वर में कहा कि दुर्ग शहर की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। कई पार्षदों ने यहां तक कहा कि वार्डों में विकास कार्य नहीं होने और मूलभूत सुविधाओं की बदहाली के कारण उन्हें जनता के बीच जवाब देना मुश्किल हो रहा है। पार्षदों का कहना था कि नागरिक स्ट्रीट लाइट, पानी, सफाई और सड़क जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं।

बैठक के प्रारंभ में पद्मनाभपुर वार्ड के भाजपा पार्षद संजय अग्रवाल ने सामान्य सभा की बैठक नियमित रूप से नहीं बुलाए जाने को लेकर महापौर को घेरा। उन्होंने कहा कि महापौर द्वारा प्रत्येक दो माह में सामान्य सभा की बैठक बुलाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शहर की व्यवस्थाएं बदहाल हैं और जनता परेशान है।

सभापति श्याम शर्मा ने कई बार संजय अग्रवाल को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे महापौर से जवाब देने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान भाजपा पार्षद कुलेश्वर साहू सहित पक्ष-विपक्ष के अन्य पार्षदों ने भी शहर की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सामान्य सभा की बैठक पहले ही बुलाई जानी चाहिए थी।

नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने शहर की मूलभूत समस्याओं को लेकर महापौर और सत्तापक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शहर में कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था खराब है और मुख्य सड़कों के साथ वार्डों की सड़कें भी जर्जर हो चुकी हैं। उन्होंने आवारा मवेशियों के कारण हो रही दुर्घटनाओं, जलभराव, नाली-नालों की सफाई, पेयजल संकट और एसएलआरएम सेंटरों की स्थिति को लेकर भी जवाब मांगा।

अन्य पार्षदों ने भी बार-बार जलसंकट, चौपट सफाई व्यवस्था, एसएलआरएम सेंटरों की बदहाल स्थिति और वार्डों में विकास कार्य नहीं होने के मुद्दे उठाए। कई पार्षदों ने अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि जनता के बीच उन्हें लगातार जवाब देना पड़ रहा है। एक पार्षद ने तो यहां तक कहा कि वार्ड में निकलते समय चेहरे पर गमछा डालना पड़ता है, क्योंकि लोग विकास और मूलभूत सुविधाओं को लेकर उन्हें घेर लेते हैं।

सामान्य सभा के शुरूआती करीब दो घंटे आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे के बीच बीते। इस दौरान भाजपा के पार्षदों ने नगर निगम के विभिन्न विभागों में कथित भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के आरोप भी लगाए। विपक्षी पार्षदों ने भी इन मुद्दों को लेकर सत्तापक्ष से जवाब मांगा। एजेंडों पर चर्चा शुरू होने के बाद भी आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी रहा, जिसके चलते सदन में कई बार शोर-शराबे की स्थिति बनी रही।

सामान्य सभा में तहसील कार्यालय से बीजेपी कार्यालय होते हुए शनिचरी बाजार चौक तक मार्ग अब स्व. श्री चैनसुख भट्टड़ मार्ग कहलाएगा। वही इंदिरा मार्केट कुंआ चौक भगवान परशुराम चौक के नामकरण के साथ मूर्ति स्थापना का प्रस्ताव मंजूर किया गया। सामान्य सभा में लाए गए सभी 9 प्रस्ताव पर चर्चा उपरांत पारित किया गया। बैठक में महापौर अलका बाघमार, एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, नरेंद्र बंजारे, निलेश अग्रवाल, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, लीना दिनेश देवांगन, लीलाधर पाल, मनीष साहू, पार्षद कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, साजन जोसेफ, सरिता चंद्राकर, अजीत वैध, मनोज सोनी, खालिक रिजवी (शेरु), कांग्रेस पार्षद दीपक साहू, विजयंत पटेल, भास्कर कुंडले,मनीष बघेल, डॉ. पायल पाटिल,एल्डरमैन नरेश तेजवानी, तेखन सिन्हा, कांतिलाल जैन, गौरव शर्मा, आयुक्त लीना कोसम तथा निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एससी-एसटी कर्मचारियों से काटी गई ट्यूशन फीस की राशि वापस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र (बी एस पी) प्रबंधन द्वारा अनुसूचित जाति (एस सी) और अनुसूचित जनजाति (एस टी) वर्ग के कर्मियों के बच्चों से ट्यूशन फीस वसूलने के फैसले को कांग्रेस के पुरजोर विरोध के बाद वापस ले लिया गया है। संयंत्र स्थापना के इतिहास में पहली बार अगस्त माह की पेमेंट स्लिप से काटी गई 884 की ट्यूशन फीस राशि को सितंबर माह के वेतन में प्रबंधन ने कर्मचारियों के खातों में वापस (रिफंड) कर दिया है।

जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के प्रवक्ता जावेद खान ने बताया कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकार द्वारा इस जनविरोधी और संविधान विरोधी फैसले के खिलाफ सेल (सेल) के डायरेक्टर पर्सनल के. के. सिंह को पत्र लिखकर तत्काल फीस वापसी की मांग की गई थी। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार और बीएसपी प्रबंधन की इस कार्रवाई को आरक्षण और सामाजिक न्याय के ढांचे पर हमला बताते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी दी थी।

कांग्रेस के कड़े रुख और जनदबाव के कारण बीएसपी प्रबंधन को अपना फैसला बदलना पड़ा। पुरानी व्यवस्था बहाल होने और काटी गई फीस वापस मिलने पर भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत एससी-एसटी कर्मचारियों ने प्रबंधन और जिला कांग्रेस कमेटी का आभार व्यक्त किया है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 3 फर्म मेसर्स पर की गई कार्यवाही

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विगत गुरूवार, 30 सितम्बर को 03 फर्म मेसर्स शिवबाबा मेडिकल स्टोर्स, शंकर नगर, मेसर्स सांई सर्जिकल ओम परिसर, मेसर्स विजय मेडिकल एण्ड स्कीन केयर, स्टेशन रोड का निरीक्षण किया गया जो नियमानुसार संचालित पाए गए। 01 अक्टूबर 2026 को 05 फर्म मेसर्स भारती मेडिकल स्मृति नगर, मेसर्स देवांशी मेडिकल सिकोला, मेसर्स अनवी मेडिकल शांति नगर, मेसर्स आयुष मेडिकल अंजोरा, मेसर्स धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स अंजोरा का निरीक्षण किया गया, जिसमें मेसर्स अनवी मेडिकल स्टोर्स, शांति नगर में फार्मासिस्ट अनुपस्थित पाए जाने एवं विक्रय रिकार्ड का संधारण नहीं करने के कारण औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली 1945 के तहत विभाग द्वारा कार्यवाही की जाएगी। सहायक औषधि नियंत्रक से मिली जानकारी अनुसार मेसर्स श्री वेदिका मेडिकल स्टोर्स कुम्हारी जिसका निरीक्षण 29 सितम्बर 2026 को किया गया था को शेड्यूल एच-1 औषधि का विक्रय रिकार्ड का संधारण नियमानुसार नहीं पाए जाने के कारण कारण बताओ सूचना पत्र प्रस्तावित किया गया है। मेसर्स मां हरसिद्धि मेडिकोज दुर्ग जिसका निरीक्षण 23 सितम्बर 2026 को किया गया था कुछ नार्कोटिक औषधियों के विक्रय रिकार्ड का संधारण नियमानुसार नहीं पाए जाने के कारण कारण बताओ सूचना पत्र प्रस्तावित किया गया है।

सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झडेकार द्वारा अपोलो कॉलेज ऑफ फामेर्सी अंजोरा में 01 अक्टूबर 2026 को एंटीमाईक्रोबियल रजिस्टेंस एवं शासन द्वारा संचालित नशा उन्मूलन पर व्याख्यान दिया गया एवं उपस्थित विद्यार्थियों से इस संबंध में शपथ ग्रहण करवाई गई।

महिलाओं और बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, स्पर्धाओं के साथ की गई बच्चों के स्वास्थ्य की जांच

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेक्टर पाटणकर कॉलोनी परियोजना दुर्ग शहरी द्वारा पचरीपारा स्थित मंगल भवन में विभिन्न रचनात्मक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित शासन की विभिन्न योजनाओं के हितग्राही महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दी।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड क्रमांक-28 की पार्षद ममता ओमप्रकाश सेन थी। विशेष अतिथि के रूप में रौशनी साहू, आशा देवांगन, अनसुईया साहू, चंचल मंडावी, चेतना पटेरिया, सोनल भीमज्याणी, विमला राजपूत, अनीता भोई उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न रोचक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हितग्राहियों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड पार्षद ममता ओमप्रकाश सेन और अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उनकी माताओं को बच्चों के लिए पौष्टिक एवं संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बच्चों के टीकाकरण से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए खिलौना बैंक की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों एवं उपस्थित लोगों द्वारा मुनगा के पौधे का रोपण भी किया गया। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं और मितानिनों का सम्मान कर उनके द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों की सराहना की गई तथा उनका हौसला बढ़ाया गया। आयोजन के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर राज्य सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के हितग्राही महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए।

गांव की जरूरत और संसाधनों के आधार पर बनेगी विकास योजना

विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत VGPP प्रशिक्षण में युक्तधारा पोर्टल, वाटर बजट और ग्रामीण सहभागिता पर दिया गया जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गांव की विकास योजना अब स्थानीय जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर तैयार होगी। इसी उद्देश्य से विकसित भारतझजी राम जी के अंतर्गत ग्राम पंचायत प्लान (VGPP) को लेकर जिला पंचायत सभा कक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे की अध्यक्षता में हुआ।

प्रशिक्षण में मैदानी अमले को ग्राम पंचायतों में VGPP तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से ग्राम पंचायत की मौजूदा परिसंपत्तियों का मानचित्रण, स्थानीय आवश्यकताओं की प्रविष्टि, विकासात्मक अंतराल की पहचान और संभावित कार्यस्थलों के चयन की ऑनलाइन प्रक्रिया समझाई गई। योजना तैयार करते समय स्थानीय परिस्थितियों और ग्राम पंचायत की प्राथमिक जरूरतों को ध्यान में रखने पर जोर दिया गया।

वाटर बजट से तय होगी जल संरक्षण की प्राथमिकता : प्रशिक्षण में वाटर बजट पर विशेष जोर दिया गया। ग्राम पंचायत में उपलब्ध जल संसाधनों और पानी की आवश्यकता का आकलन कर जल संरक्षण एवं जल संवर्धन से जुड़े कार्यों को विकास योजना में प्राथमिकता देने की जानकारी दी गई।

ग्रामीणों की सहभागिता से बनेगी योजना : अधिकारियों ने बताया कि VGPP में ग्राम सभा एवं सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन के माध्यम से ग्रामीणों की जरूरतों और सुझावों को योजना में शामिल किया जाएगा। इससे रोजगार, जल सुरक्षा, आजीविका, ग्रामीण अधोसंरचना और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण को एकीकृत विकास योजना से जोड़ा जा सकेगा।

प्रशिक्षण का उद्देश्य मैदानी अमले को विकसित भारतझजी राम जी एवं VGPP की प्रक्रिया में दक्ष बनाना तथा आगामी ग्राम सभाओं में प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। प्रशिक्षण में ईई आरईएस दुर्ग, जनपद पंचायत दुर्ग, पाटन एवं धमधा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तकनीकी सहायक ग्राम पंचायत सचिव के सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र से सितंबर 2026 में कुल 97 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिनमें 18 कार्यपालक और 79 गैर-कार्यपालक सहित खदान बिरादरी के सदस्य शामिल हैं।

कार्यपालकों के लिए विदाई समारोह इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में आयोजित किया गया। निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने सेवानिवृत्त कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान कर उनके कार्यकाल की सराहना की और स्वस्थ व सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सामग्री प्रबंधन अजय कुमार चक्रवर्ती, वित्त एवं लेखा प्रवीण निगम, मानव संसाधन पवन कुमार और परियोजनाएं प्रबीर कुमार सरकार उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी ने सेवानिवृत्त अधिकारियों से आत्मीय संवाद कर संयंत्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके अनुभव और सुझाव आमंत्रित किए, जिस पर विस्तार से चर्चा हुई। सेवानिवृत्त अधिकारियों ने भी अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए।

वहीं 30 सितंबर को भिलाई निवास में आयोजित समारोह में गैर-कार्यपालकों को विदाई दी गई। मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन प्रशांत ओझा और उप महाप्रबंधक मानव संसाधन-एससीसीए राजेंद्र प्रसाद ने कार्मिकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किए। प्रबंधन ने इस्पात बिरादरी के योगदान को रेखांकित करते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना की।

सत्य, अहिंसा और सादगी के आदर्श हमें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

नई दिल्ली में महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-नईदिल्ली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और मानवता के मार्ग पर चलते हुए पूरी दुनिया को शांति और सद्भाव का संदेश दिया। उनके विचारों में समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और आत्मनिर्भर भारत की भावना निहित थी। उनका जीवन हमें सत्य के मार्ग पर अडिग रहते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका दिया 'जय जवान-जय किसान' का मंत्र देश की सुरक्षा और समृद्धि में हमारे जवानों तथा किसानों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं आदर्श हमें जनकल्याण, सुशासन और राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर की साफ-सफाई

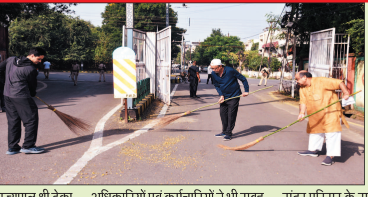

रायपुर राज्यपाल रमेन डेका ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोक भवन परिसर के बाहर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने लोक भवन परिसर में स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता करते हुए स्वयं साफ-सफाई की। लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुबह परिसर के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने झाड़ू लगाकर कचरे को एकत्रित किया तथा उसका उचित निपटान किया।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे हमें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। स्वच्छ और सुंदर परिसर के साथ स्वच्छ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित रहे।

खास खबर

ब्यूटी आइकॉन इंडिया ग्लोबल सीजन-7 : संबलपुर की 7 वर्षीय चर्चिका बनीं 'ग्लोबल आइकॉन ऑफ इंडिया', लहराया परचम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में 27 सितंबर को 'आर्ना फाउंडेशन' द्वारा आयोजित 'ब्यूटी आइकॉन इंडिया ग्लोबल सीजन - 7' में ओडिशा के संबलपुर हीराकुद की मात्र 7 वर्षीय नन्हीं प्रतिभा चर्चिका रानी बेहेरा ने 'ग्लोबल आइकॉन ऑफ इंडिया' का खिताब अपने नाम कर एक बार फिर अपनी अद्भुत प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

हीराकुद के हिंडाल्को कॉलोनी निवासी संजीब बेहेरा और रुक्मिणी बेहेरा की इकलौती पुत्री चर्चिका वर्तमान में मदनाबती पब्लिक स्कूल, संबलपुर में क्लास वन की छात्रा हैं। महज तीन वर्ष की आयु से ही पढ़ाई के साथ-साथ मॉडलिंग, डांस, म्यूजिक और एक्टिंग में सक्रिय चर्चिका इससे पूर्व 2025 में रायपुर में ही 'ब्यूटी आइकॉन इंडिया गोल्ड' की विजेता रह चुकी हैं। इसके अलावा वे 'ग्लैमर ऑफ ओडिशा', 'उत्कल फैशन आइकॉन' और 'पीडीएस नाइट' जैसी प्रतियोगिताओं का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं। भविष्य में 'मिस वर्ल्ड' बनने का सपना संजोए चर्चिका का वास्तविक लक्ष्य एक डॉक्टर बनकर गरीबों और जरूरतमंदों की निःशुल्क सेवा करना है। उन्हें संगम पात्र से मॉडलिंग तथा दीपक ज्योतिष से डांसिंग का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। इस गरिमामयी समारोह में विनीता मलिक, सब्बी सूरी, फेमिना मिस इंडिया अनुष्का एवं सिमरन सचदेवा जैसी फैशन व बॉलीवुड हस्तियां उपस्थित थीं। वहीं निर्णायक मंडल में डॉ. अनुष्का सोन फेमिना मिस इंडिया ईस्ट, नम्रता गुगलानी वीएलसीसी हेड, छत्तीसगढ़, डॉ. अभी सिंधुजा प्लास्टिक सर्जन, पूजा गुरदीप कौर मिसेज इंडिया गोल्ड और सुधीर बारिक फैशन ग्रूमर शामिल रहे। इस बड़ी उपलब्धि पर चर्चिका को व्यापक स्तर पर बधाइयां मिल रही हैं।

हिस्ट्रीशीटर हरेराम प्रसाद 1 साल के लिए जिलाबदर, 7 जिलों में एंट्री बैन

दुर्ग। जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुर्ग पुलिस लगातार गुंडा-बदमाशों पर जिलाबदर की कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना सुपेला के आदतन अपराधी हरेराम प्रसाद को 1 साल के लिए जिलाबदर किया गया है। जिला दंडाधिकारी दुर्ग ने पुलिस प्रतिवेदन और आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत आदेश पारित किया है। आरोपी हरेराम प्रसाद, निवासी कॉन्ट्रैक्टर कॉलोनी, सुपेला के खिलाफ 1999 से मारपीट, धमकी, बलवा, चोरी, जुआ, शासकीय कार्य में बाधा और हत्या के प्रयास जैसे 18 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। **7 जिलों में प्रवेश प्रतिबंधित :** आदेश के अनुसार हरेराम प्रसाद को आदेश की तारीख से एक हफ्ते के अंदर इन जिलों की सीमा से बाहर जाना होगा और 01 अक्टूबर 2026 से 1 साल तक बिना अनुमति प्रवेश नहीं कर सकेगा। प्रतिबंधित जिले - दुर्ग, रायपुर, धमतरी, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। पुलिस ने अपील की है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

महानदी विवाद के समाधान की दिशा में बड़ी पहल

महानदी हमें बांटने वाली नहीं, दोनों राज्यों को जोड़ने वाली जीवनधारा : समाधान ऐसा हो जिसमें दोनों राज्यों की जीत हो - मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा।

बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में छत्तीसगढ़ का पक्ष रखते हुए कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका समाधान भी प्रतिस्पर्धा या टकराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और वहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए। श्री साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ की इन वास्तविक आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ अपने हितों की बात करते हुए ओडिशा की आवश्यकताओं और हितों का भी पूरा सम्मान करता है। हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़ उसके महत्व को भलीभांति समझता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हीराकुंड जलाशय के हितों और उसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन को साझी समृद्धि का माध्यम बनाना चाहिए। दोनों राज्यों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो, जिसमें जल उपलब्धता, आवश्यकता और उपयोग से संबंधित तथ्य पारदर्शी ढंग से साझा हों और वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लिए जाएं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल से समाधान की उम्मीद

मुख्यमंत्री साय ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज राज्यों के बीच वर्षों से लंबित विषयों को संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास भी सहकारी संघवाद और राष्ट्रीय एकता की इसी भावना को मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच जल संबंधी प्रश्नों का सौहार्दपूर्ण समाधान राज्यों के बीच विश्वास, सहयोग और भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय से जटिल विषयों पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का वातावरण बना है।

संवाद और वैज्ञानिक तथ्यों से निकलेगा टिकाऊ समाधान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी से संबंधित विषय में भावनाओं के साथ वैज्ञानिक तथ्यों का भी उतना ही महत्व है। छत्तीसगढ़ को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की मध्यस्थता तथा केंद्रीय जल आयोग के निष्पक्ष, वैज्ञानिक और पारदर्शी तकनीकी आकलन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि जल उपलब्धता, वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं, सिंचाई, पेयजल, पर्यावरणीय जरूरतों और दोनों राज्यों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का समग्र अध्ययन करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। तकनीकी स्तर पर तथ्य स्पष्ट होंगे और राजनीतिक स्तर पर संवाद एवं विश्वास कायम रहेगा तो निश्चित रूप से ऐसा समाधान निकल सकता है, जो दोनों राज्यों को स्वीकार्य हो और आने वाली पीढ़ियों के हित में भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों के परामर्श और केंद्र सरकार की मध्यस्थता से जो न्यायसंगत एवं व्यावहारिक समाधान सामने आएगा, छत्तीसगढ़ उसे सकारात्मक भावना से आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने केंद्र और राज्य के बीच मजबूत समन्वय के सकारात्मक परिणामों को बस्तर में करीब से देखा है। नक्सलवाद जैसी दशकों पुरानी चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास और जनविश्वास को साथ लेकर जिस समन्वित दृष्टिकोण से काम किया गया, उससे बस्तर में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जटिल और लंबे समय से लंबित विषयों में भी जब स्पष्ट इच्छाशक्ति, निरंतर संवाद और सभी पक्षों के बीच विश्वास हो, तो समाधान की दिशा में निर्णायक प्रगति संभव है। महानदी के विषय पर भी इसी सकारात्मक भावना से दोनों राज्य आगे बढ़ सकते हैं।

महानदी विवाद नहीं, सहयोग की धारा बने : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पड़ोसी राज्यों के लोगों के बीच आत्मीय संबंध सदियों पुराने हैं। दोनों प्रदेशों की जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली में अनेक समानताएं हैं।

उन्होंने महाप्रभु जगन्नाथ की आस्था और शिवरीनारायण से पुरी तक जुड़े सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी आस्था और संस्कृति हमें जोड़ती है। महानदी भी इसी साझा विरासत और जीवन का हिस्सा है। इसलिए महानदी को विवाद की रेखा नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और विश्वास की धारा बनाना हमारा सामूहिक प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों की प्राथमिकता अपने किसानों और नागरिकों का हित है। दोनों राज्यों के नेतृत्व को जमीनी आवश्यकताओं की समझ है। इसलिए परस्पर विश्वास के साथ ऐसा रास्ता निकाला जा सकता है जिसमें छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों के किसानों को लाभ मिले और दोनों राज्यों के विकास की आवश्यकताएं भी पूरी हों।

तकनीकी और राजनीतिक स्तर पर संवाद रहेगा जारी

उल्लेखनीय है कि महानदी जल विवाद के समाधान को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच राजनीतिक एवं तकनीकी स्तर पर संवाद लगातार आगे बढ़ रहा है। इससे पूर्व भी दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र सरकार के स्तर पर चर्चा हुई है। तकनीकी विषयों के समाधान के लिए केंद्रीय जल आयोग की भूमिका को महत्वपूर्ण माना गया है। महानदी जल बंटवारे से संबंधित विवाद के समाधान के लिए वर्ष 2018 में महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया था। इसके समानांतर आपसी संवाद और तकनीकी विमर्श के माध्यम से दोनों राज्यों के लिए स्वीकार्य समाधान की संभावनाओं पर भी लगातार काम किया जा रहा है।

आज की उच्चस्तरीय बैठक को इसी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैठक में सभी पक्षों ने संवाद और तकनीकी विचार-विमर्श को आगे बढ़ाने तथा महानदी से जुड़े विषयों का पारस्परिक सहमति से स्थायी समाधान तलाशने की दिशा में सकारात्मक चर्चा की। बैठक में छत्तीसगढ़ की ओर से मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन शुरु, नवम्बर में 11 खेलों में आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने, उनकी रचनात्मकता एवं खेल प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने बस्तर ओलंपिक के तीसरे संस्करण के लिए पंजीयन 1 अक्टूबर से प्रारंभ होंगे। तीन चरणों में आयोजित होने वाले बस्तर ओलंपिक के विकासखंड स्तरीय आयोजन नवम्बर में होंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने बस्तर संभाग के आयुक्त और सभी जिलों के कलेक्टरों को बस्तर ओलंपिक के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

बस्तर ओलंपिक में जूनियर वर्ग में 14 से 17 वर्ष आयु के बालक-बालिकाएं तथा सीनियर वर्ग में महिला एवं पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। नक्सल हिंसा में दिव्यांग हुए प्रतिभागियों एवं पुनर्वासित सदस्यों की प्रतिभागिता सीधे संभाग स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी।

1 से 30 अक्टूबर तक होगा पंजीयन : बस्तर ओलंपिक के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक पंजीयन किए जाएंगे। नवम्बर और दिसम्बर में विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर इनके चरणबद्ध आयोजन होंगे। विकासखंड स्तर की प्रतियोगिताएं 1 नवम्बर से 13 नवम्बर तक, जिला स्तर की प्रतियोगिताएं 16 नवम्बर से 25 नवम्बर तक तथा संभाग स्तर की प्रतियोगिताएं 7 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक प्रस्तावित हैं। बस्तर ओलंपिक के अंतर्गत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो और 4100 मीटर रिले रेस शामिल हैं। तीरंदाजी (30 मीटर एवं 50 मीटर), बैडमिंटन, फुटबॉल, कराते, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल की भी स्पर्धाएं होंगी। हॉकी एवं वेटलिफ्टिंग का आयोजन सीधे जिला स्तर पर किया जाएगा। वहीं सीनियर महिला वर्ग के लिए रस्साकसी को प्रदर्शनात्मक खेल के रूप में शामिल किया गया है। बस्तर के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने, उनकी रचनात्मकता एवं खेल प्रतिभा को पहचान कर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने वर्ष 2024 में राज्य शासन द्वारा बस्तर ओलंपिक के पहले संस्करण का आयोजन किया गया था। पहले संस्करण में एक लाख 65 हजार खिलाड़ियों ने भागीदारी की थी।

बस्तर की बदली तस्वीर को देश दुनिया तक पहुंचाएं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर - राज्यपाल डेका

दिल्ली से आए 41 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने राज्यपाल से की मुलाकात, बस्तर के विकास और पर्यटन संभावनाओं को देखा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बस्तर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद का प्रभाव समाप्त होने के बाद केंद्र और राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र के लोगों के कल्याण और विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे हैं। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बस्तर में विकास के साथ लोगों का विश्वास बढ़ रहा है और भय का वातावरण धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बस्तर में हो रहे इन सकारात्मक बदलावों को देश-विदेश तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्यपाल आज दिल्ली से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के दल से मुलाकात के दौरान संबोधित कर रहे थे।

ये सभी इन्फ्लुएंसर ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल के तहत छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए हैं। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर में नक्सलवाद समाप्त होने के बाद आए बदलाव, विकास कार्यों, स्थानीय जनजीवन और पर्यटन की संभावनाओं को करीब से जाना और समझा।

इन्फ्लुएंसर ने राज्यपाल को बताया कि उन्होंने तीन दिन बस्तर में बिताए और इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों और गांवों का भ्रमण कर वहां की वर्तमान स्थिति को देखा। उन्होंने बताया कि मीडिया के माध्यम से उन्हें छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्त होने और बस्तर में हो रहे बदलाव की जानकारी मिली थी। इसी बदलाव को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने के उद्देश्य से वे यहां पहुंचे हैं।

इन्फ्लुएंसर ने कहा कि बस्तर में उन्हें शांति और सुकून का अनुभव हुआ। यहां की प्राकृतिक सुंदरता ने उन्हें विशेष रूप से आकर्षित किया। सड़क संपर्क बेहतर हुआ है तथा प्रभावित लोगों के पुनर्वास और रोजगार के लिए किए जा रहे प्रयास भी दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में उन्होंने जितने बदलाव की कल्पना की थी, उससे कहीं अधिक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला। वे अपने सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से इन अनुभवों को देश-दुनिया तक पहुंचाएंगे, जिससे बस्तर के प्रति बनी पुरानी धारणाएं दूर हों और अधिक लोग यहां पर्यटन के लिए आएं।

राज्यपाल ने कहा कि बस्तर के बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ा है। जो बच्चे स्कूल नहीं जाते थे अब रोज स्कूल जाते हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से गांवों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। बस्तर के शहरों और पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तो विकास की गति भी तेज होगी और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेगा।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे ने बताया कि दिल्ली से 41 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। इनके सोशल मीडिया माध्यमों से पांच करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। इन्फ्लुएंसर ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के बाद हुए बदलाव और विकास कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से देखा है तथा अपने अनुभवों को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

बैठक का मकसद बताना था राहुल गांधी सर्वमान्य नेता

इंडिया गठबंधन की बैठक का एक ही मकसद था कि गठबंधन के तमाम नेताओं का यह संदेश देना कि राहुल गांधी ही गठबंधन के सर्वमान्य नेता हैं ।वह गठबंधन की तरफ से पीएम पद के सबसे योग्य दावेदार है ।कांग्रेस की तरफ से कोशिश तो पहले भी की जाती रही है,संसद के भीतर व बाहर कांग्रेस ऐसा करने में सफल भी रही है लेकिन संसद के बाहर कांग्रेस ऐसा करने में सफल नहीं हो पाई है, अब जब बिहार के बाद बंगाल में ममता भी चुनाव हार गई हैं कि विपक्ष में राहुल गांधी का विरोध करने वाला कोई बड़ा नेता बचा नहीं है । जब तक चुनाव नहीं हारे थे तो गठबंधन के भीतर कभी शरद पवार,कभी अरविंद केजरीवाल,कभी ममता बैनर्जी राहुल गांधी का गठबंधन का नेता मानने से इंकार कर देते थे,उनकी कमी खामी को बता दिया करते थे।

दिल्ली,महाराष्ट्र,बिहार,बंगाल,तमिलनाडु में क्षेत्रीय दलों के चुनाव हारने से अब इंडिया गठबंधन में कोई बड़ा नेता नहीं बचा है तो राहुल गांधी का विरोध कर सके। राहुल गांधी की तरह सब पीएम मोदी या भाजपा से चुनाव हारे हुए नेता हैं । अब तक ममता ही राहुल गांधी का गठबंधन के नेता के तौर पर सबसे ज्यादा विरोध करती थी .लेकिन उनके चुनाव हार जाने व पार्टी के टूट जाने के बाद से उनका राजनीतिक कद देश की राजनीति में घट गया है और उन्होंने भी बैठक में मान लिया है कि अब राहुल गांधी ही गठबंधन के सबसे बड़े व योग्य नेता हैं।

बैठक में ममता बैनर्जी के यह कहने से कि सबसे पहले राहुल गांधी व तेजस्वी ने बिहार में वोट चोरी होने की बात कही थी। इससे पहले भाजपा ने हरियाणा,महाराष्ट्र आदि जगह वोट चोरी कर सरकार बनाई, बंगाल में तो वोट की लूट की गई है . यानी अब ममता भी वही बोल रही हैं जो राहुल गांधी अब तक कहते आए है ।बैठक में अखिलेश यादव,शरद पवार,हेमंत सोरेन, उध्दव ढाकरे जैसे नेता नहीं आए इससे साफ हो गया है कि ममता भले राहुल गांधी को अपना नेता मान लें कई नेता अभी भी राहुल गांधी को मन से नेता मानने को तैयार नही है । उध्दव ढाकरे ने तो वर्चुअल बैठक में शामिल होकर साफ कह दिया कि कांग्रेस की एकला चलो की नीति ठीक नहीं है । यह सच भी है बैठक के पहले गठबंधन के तमाम दल और कांग्रेस राज्यों में एसआईआर,चुनाव आयोग के मुद्दे पर अलग अलग प्रदर्शन करते रहे है।

कांग्रेस ने अकेले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करके देख लिया कि वह अकेले पीएम मोदी, भाजपा व चुनाव आयोग के खिलाफ माहौल नहीं बना सकती तो उसने गठबंधन के दलों को साथ लेने का फैसला किया। गठबंधन की बैठक कांग्रेस ही बुलाती रही है,इससे पहले इसी साल जून में गठबंधन की बैठक बुलाई गई थी, उसके बाद अब बुलाई गई है जब कांग्रेस को लगा कि पीएम मोदी व भाजपा, चुनाव आयोग के खिलाफ वह अकेले कुछ नहीं कर सकती ।कांग्रेस महीनों से वोट चोरी का राग अलाप रही है लेकिन चुनाव में इसका कोई असर नहीं हुआ है ।कई चुनाव हो गए और जनता ने कांग्रेस के वोटचोरी के आरोप को गंभीरता से लिया ही नहीं । कांग्रेस को लगता है कि जब तक यह गठबंधन का बड़ा मुद्दा नहीं बनेगा, इसे देश की जनता गंभीरता से नहीं लेगी यही वजह है कि अब तक राहुल गांधी अकेले ही वोट चोरी वोट चोरी,झूठ की गूंज का राग अपालते रहे हैं लेकिन उससे न कांग्रेस मजबूत हुई है और न ही कांग्रेस के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है।

यही वजह है कि अगले साल होने वाले चुनाव के पहले कांग्रेस गठबंधन के साथ मिलकर माहौल बनाना चाहती है ।इसीलिए गठबंधन की बैठक में एकजुट होकर आने वाले दिनों में पीएम मोदी,चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन करने का फैसला किया गया है । विपक्षी दलों की बैठक में 19 घटक दलों के नेता शामिल हुए ।इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के सदस्य 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक DM ऑफिसों के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे और 6 अक्टूबर को विपक्ष के सभी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे । विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे हफ़्ते में राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगेंगे ताकि उन्हें यह बता सकें कि किस तरह संस्थाओं पर कब्जा किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में पांच बड़ी रैलियां होंगी और इनके लिए जगह और तारीखें जल्द ही तय कर ली जाएंगी।

1 नवंबर को दिल्ली में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी । उनका यह कहना खास गौरतलब है कि अब हर कोई मानता है कि राहुल जी और दीदी 'वोट चोरी' के बारे में जो कहते थे, वह सही था । इसके जरिए खरगे और कांग्रेस ने यह बताने की कोशिश की कि राहुल गांधी ही विपक्ष के एकमात्र ऐसे नेता हैं जो सच कह रहे थे और इस पर विपक्ष के लोग भी यकीन नहीं कर रह थे अब इस पर ममता सहित विपक्ष भी यकीन कर रहा है । इससे यह साबित होता है कि राहुल गांधी जो कहते हैं, वह सही होता है । वह सही कहते हैं इसलिए वही गठबंधन से सबसे योग्य नेता है ।इसके अलावा खरगे ने बताया कि विपक्ष की छह मांगे क्या हैं।

विपक्ष की छह मांगें हैं-आगामी चुनाव मे ईवीएम के बजाय केवल मतपत्र से मतदान कराया जाए,सभी चुनाव के पहले केवल पूर्व एसआईआर मतदाता सूची का उपयोग किया जाए,मतदाता सूची के हर एक संशोधन में पूरी पारदर्शिता हो,किसी भी वैध मतदाता का नाम सूची से हटाने से पहले उसे उचित नोटिस,कारण और एक प्रभावी अपीलतंत्र उपलब्ध कराया जाए,प्रशासनिक विफलता या जागरुकता की कमी के कारण पात्र मतदाताओं को मताधिकार वंचित होने से बचाया जाए । संस्थागत जवाबदेही सुनिश्चित की जाए,चुनाव आयोग ऐसा हो जिस पर सभी राजनीतिक दलों का भरोसा हो ।यह राहुल गांधी की खुशकिस्मती है कि राज्यों में क्षेत्रीय दलों की हार से तमाम बड़े क्षेत्रीय नेताओं का राजनीतिक कद उनसे कम हो गया है और वह न चाहकर भी उनके नेतृत्व को स्वीकारने को मजबूर हैं । इस बैठक से कांग्रेस ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि विपक्ष के पास अब राहुल गांधी से बेहतर कोई दूसरा नेता है ।आने वाले दिनों में पता चलेगा कि विपक्ष मन से राहुल गांधी को अपना नेता मानता है या नहीं।

प्रो. संजय द्विवेदी

प्रख्यात इतिहासकार सुधीर चंद्र की किताब 'गांधी एक असंभव संभावना' को पढ़ते हुए इस किताब के शीर्षक ने सर्वाधिक प्रभावित किया। यह शीर्षक कई अर्थ लिए हुए है, जिसे इस किताब को पढ़कर ही समझा जा सकता है। 184 पृष्ठों की यह किताब गांधी के बेहद लाचार, बेचारे, विवश हो जाने और उस विवशता में भी 'अपने सत्य के लिए' जूझते रहने की कहानी है।

एक असंभव संभावना हैं गांधी

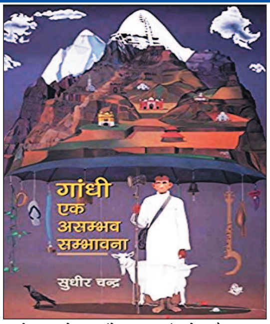

जाहिर तौर पर यह किताब गांधी की जिंदगी के आखिरी दिनों की कहानी बयां करती है। इसमें असंभव संभावना शब्द कई तरह के अर्थ खोलता है। गांधी तो उनमें प्रथम हैं ही, तो भारत-पाकिस्तान के रिश्ते भी उसके साथ संयुक्त हैं। ऐसे में यह मान लेने का मन करता है कि भारत-पाक रिश्ते भी एक असंभव संभावना हैं? सामान्य मनुष्य इसे मान भी ले किंतु अगर गांधी भी मान लेते तो वे गांधी क्यों होते? प्रत्येक विपरीत स्थिति और झंझावातों में भी अपने सच के साथ रहने और खड़े होने का नाम ही तो गांधी है।

आजादी के मिलने के कुछ समय पहले गांधी के निरंतर कमजोर और अकेले होते जाने की कहानी को जिस खूबसूरती से यह किताब बयां करती है, उसकी दूसरी नजीर नहीं है। अपने प्रार्थना प्रवचनों में गांधी ने खुद को खोलकर रख दिया है। वे सत्य को फिर से पारिभाषित नहीं करते, उसे यथारूप ही रखते हैं। इस पूरी किताब में गांधी के मन और देश में चल रही हलचलों का बयान दिखता है। हिंदू-मुसलमान, भारत-पाकिस्तान, कांग्रेस-मुस्लिम लीग की सत्ता राजनीति के बीच अकेले और तन्हा गांधी। गांधी पूरी जिंदगी सामूहिकता को साधते रहे और उनका भरोसा अपने समाज पर बना रहा। किंतु आजादी को निकट आता देख यह समाज जिस तरह बंटा उसे देखकर वे हैरत में थे। सही मायने में यह समाज अब भीड़ या अपने-अपने पंथों की जकड़बंदियों में कैद हो चुका था। गांधी इसलिए कई बार बहुत कातर दिखते हैं, कमजोर दिखते हैं। किंतु सत्य और इंसानियत में उनकी आस्था अविचल है। अपने उपवास और रोजों से वे सोते तथा भटके हुए समाज को फिर से उसी राह पर लाना चाहते हैं, जहां इंसानियत और भाईचारा सबसे अहम है। कई लोग मानते हैं कि गांधी ने बंटवारा स्वीकार कर लिया था, सच्चाई यह है कि बंटवारे को उन्होंने कभी मन से नहीं स्वीकारा। स्वीकारा इसलिए कि कम से कम रिश्ते तो बचे रहें।

समय के साथ अब जब हम देखते हैं तो भारत-पाक रिश्ते भी अब एक अंसभव संभावना ही दिखने लगे हैं। बल्कि घृणा की राजनीति ही लंबे समय से दोनों देशों की राजनीति का मूल स्वर रही है। पाकिस्तान और हिंदुस्तान में चुनाव भी इन्हीं नफरतों की हवाओं पर सवार होकर जीते जाते रहे हैं। कई युद्ध लड़कर और निरंतर अपरोक्ष युद्ध लड़कर पाकिस्तान ने इस जहर को और पुख्ता किया है।

7मई,1947 को जब कांग्रेस लगभग बंटवारे का फैसला कर चुकी थी तब गांधी ने शाम को कहा- जिन्ना साहब पाकिस्तान चाहते हैं। कांग्रेस ने भी तय कर लिया है कि पाकिस्तान की मांग पूरी की जाए... लेकिन मैं तो पाकिस्तान किसी भी तरह मंजूर नहीं कर सकता। देश के टुकड़े होने की बात बर्दाश्त ही नहीं होती। ऐसी बहुत सी बातें होती रहती हैं जिन्हें मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता, फिर भी वे रूकती नहीं, होती ही हैं। पर यहां बर्दाश्त नहीं हो सकने का मतलब यह है कि मैं उसमें शरीक नहीं होना चाहता, यानी मैं इस बात में उनके बस में आने वाला नहीं हूं।... मैं किसी एक पक्ष का प्रतिनिधि बनकर बात नहीं कर सकता। मैं सबका प्रतिनिधि हूं।.. मैं पाकिस्तान बनने में हाथ नहीं बंटा सकता। गांधी का मनोगत बहुत स्पष्ट है किंतु हालात ने उन्हें विवश कर दिया था। वे न तो बंटवारा रोक पाते हैं न ही आजादी के जश्न के पहले जगह-जगह हो रही सांप्रदायिक हिंसा। नोवाखली के दंगों के बाद कोलकाता, बिहार और फिर पंजाब। सांप्रदायिक हिंसा के विरूद्ध सबसे प्रखर आवाज के पास अब उपवास के सिवा क्या था?

दूसरा संकट यह था कि गांधी नोवाखली में हिंदुओं के नरसंहार से दुखी होकर जब वहां पहुंचते तो मुसलमानों को बुरा लगता कि वे कोलकाता में मुसलमानों के लिए क्यों नहीं पहुंचते? जब वे कोलकाता में मुसलमानों की मदद में उतरते तो हिंदू उन्हें कोसते। ऐसे में गांधी चौतरफा आलोचना के शिकार थे। उनके साथी रहे कांग्रेस जन और राजनेता भी उनके इन देश व्यापी प्रवासों और उपवासों में कोई शांति-संभावना देखने के बजाए संकट ही देखते थे। ऐसे कठिन समय में गांधी को समझना और कठिन हो गया था। गांधी की बेचारगी यही है कि उन्हें आज तक सही अर्थों में समझा नहीं गया। वे अपने प्रति बनी गहरी नामसझी को लेकर ही विदा हुए। उन्हें लोग देवता का दर्जा तो दे बैठे थे किंतु उनके देवत्व से एक सचेतन दूरी बनाए रखना चाहते थे। शायद इसलिए कि तत्कालीन राजनीति की भाषा से गांधी कदमताल करने के तैयार नहीं थे। वे इसीलिए सत्ता का आरोहण नहीं करते, राजपथ नहीं चुनते क्योंकि उनका समाज पर भरोसा था। वे समाज की शक्ति को जगाना चाहते थे, जिसने उन्हें महात्मा बनाया था। किंतु इस दौर में वह समाज भी कहां बचा था, एक गहरा बंटवारा जो सिर्फ भूगोल का नहीं था, मन का भी था। गांधी की रूहानी शक्ति इस दुनियावी रोग के सामने बेबस थी। यह वही समय था जब गांधी को मंत्रमुग्ध सुनने वाला देश और समाज उनसे सवाल करने लगा था। लोग उनके मुंह पर कहने लगे थे कि आप मर क्यों नहीं जाते? उनसे पूछा जाने लगा कि: आपने चार-पांच दिन इतनी लंबी-लंबी बातें बनाई कि हम एक इंच भी पाकिस्तान मजबूरी से देना नहीं चाहते, बुद्धि से ह्दय को जाग्रत करके भले ही जो चाहें सो लें, लेकिन वह तो बन गया। अब आप इसके खिलाफ अनशन क्यों नहीं करते? उनसे यह भी पूछा गया- आप कांग्रेस के बागी क्यों नहीं बनते और उसके गुलाम क्यों बने हैं? आप उसके खादिम कैसे रह सकते हैं? अब आप अनशन करके मर क्यों नहीं जाते? महात्मा जी ने ये सारी बातें खुद 5 जून,1947 को अपने प्रार्थना प्रवचन में बतायीं। खुद पर बरसते सवालों से वे अविचल थे।

अपनी आलोचना और निंदा को वे खुद अपने प्रवचनों में वे बताते और अपने उत्तर भी देते। किंतु उस समय गांधी को सुनने, समझने का धीरज तत्कालीन राजनीति और समाज दोनों खो चुके थे। अपने समय को पहचानने की जो अद्भुत क्षमता गांधी में थी उसी के चलते वे कह पाए: बंटवारे से तो हम आज बच नहीं सकते चाहे वह हमें कितना ही नापंसद हो। सच कहें तो गांधी का सबसे बड़ा दर्द यही है कि उन्हें समझा नहीं गया और आज भी उनकी रेंज को समझने वाला मन हमारे पास कहां है? एक राष्ट्रपिता की इससे बड़ी त्रासदी क्या हो सकती है जो समाज और राजनीति उनके पीछे चली, उनके इशारों पर चली वही आज उन्हें अप्रासंगिक तथा अनुपयोगी मान रही थी। गांधी अपने आखिरी दिनों में इतने कातर इसलिए भी थे, उनके अपने भी उनका साथ छोड़ चुके थे, या उन्हें अनसुना कर रहे थे। वे इस बात को समझ गए थे। इसीलिए अनेक मौकों पर आजमाए जा चुके अपने अमोध अस्त्र आमरण अनशन का इस्तेमाल भी वे नहीं करते। उनका मानना था इससे बंटवारा रूक भी गया तो मनों में पाकिस्तान बन जाएगा जो ज्यादा खतरनाक होगा। इसलिए भूगोल बंटने के बाद भी रिश्ते बने रहें, मन मिले रहें उसकी कोशिश वे आखिरी सांस तक करते रहे। वे बहुत साफ कहते है: जब मैंने कहा था कि हिंदुस्तान के दो भाग नहीं करने चाहिए तो उस वक्त मुझे विश्वास था कि आम जनता की राय मेरे पक्ष में है; लेकिन जब आम राय मेरे साथ न हो तो क्या मुझे अपनी राय जबरदस्ती लोगों के गले मढ़नी चाहिए?

देश के बंटवारे के बाद गांधी चाहते तो एक निष्क्रिय बुजुर्ग की आदर्श भूमिका निभाते हुए चैन से रह सकते थे। उनके जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य आजादी हासिल हो चुका था। किंतु वे स्वराज के लिए सक्रिय थे। शायद वे देश और उसकी सरकार के कार्य संचालन में कुछ बेहद जमीनी सुधार के सुझाव दे पाते किंतु आजादी मिलते ही उनके सामने हिंदु-मुस्लिम सद्भाव का प्रश्न बहुत विकराल बनकर खड़ा हो गया। दंगे, मारपीट, आगजनी, स्त्रियों से दुर्व्यवहार की खबरों से उनका मन रोज रो पड़ता। वे अकेले और विवश होने के बाद भी इस कठिन समय में अपने हस्तक्षेप से शांति और सद्भाव का संचार करते हैं। सांप्रदायिक तत्वों को विवश करते हैं कि वे राष्ट्र की मुख्यधारा में साथ आएं और अपनी जहरीली राजनीति से बाज आएं। तत्कालीन सरकार को पाकिस्तान के बचे 55 करोड़ रूपए देने के लिए मजबूर कर देते हैं। उनका नैतिक बल अक्सर भारी पड़ता है। किंतु अब उनकी जिद और हठ से उनके अपने लोग भी उनसे बचने लगे थे। गांधी की जिद क्या थी- सद्भावना, एकता, सौहार्द्र, भाईचारा, अहिंसा। शायद वे इसीलिए कहते है: मैं जानता हूं न तो पाकिस्तान नरक है न ही हिंदुस्तान नरक है। हम चाहें तो उन्हें स्वर्ग बना सकते हैं और अपने कामों से नरक भी बना सकते हैं और जब दोनों नरक जैसे बन गए तो उसमें फिर आजाद इनसान तो रह ही नहीं सकता। पीछे हमारे नसीब में गुलामी ही लिखी है। यह चीज मुझको खा जाती है। मेरा ह्दय कांप उठता है कि इस हालत में किस हिंदू को समझाऊंगा,किस सिख को समझाऊंगा, किस मुसलमान को समझाऊंगा।

गांधी इस पीड़ा को लिए ही विदा हुए। आप देखें तो इस बात के सात दशक पूरे हो चुके हैं। बंटवारा और गहरा हुआ है। सिर्फ गांधी ही नहीं, भारत-पाक रिश्ते भी अब एक असंभव संभावना दिखने लगे हैं। गांधी की त्रासदी यह है कि वे 32 वर्षों तक जिस हिंदुस्तान के लिए अंग्रेजों से लड़ते रहे, उस आजाद देश में वे मात्र पांच महीने(169 दिन) जिंदा रह सके। गांधी को भूलने का, गांधी को न समझने का, भारत को न समझने का यही फल है। एक न समझे जाने वाले नायक गांधी- जिनकी हमने असंख्य मूर्तियां बनाई, उनके नाम पर संस्थाएं बनाई, गांधी रोड बनाए, नगर बनाए, नोटों पर उन्हें छापा,विश्वविद्यालय बनाए किंतु यह सब कुछ हमारी गहरी नासमझी के चलते बेमतलब है। अपनी हत्या से कुछ दिन पहले गांधी ने कहा: मैं तो आज कल का ही मेहमान हूं। कुछ दिनों में यहां से चला जाऊंगा। पीछे आप याद किया करोगे कि बूढ़ा जो कहता था वह सही बात है।

(लेखक भारतीय जनसंचार संस्थान-आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक हैं। संप्रति माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

संजय सक्सेना

राज्यसभा में सपा के दो पत्ते खुले, तीसरी सीट ने बढ़ाई बेचैनी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई बार बड़ा सवाल यह नहीं होता कि किसके पास कितने विधायक हैं, बल्कि यह होता है कि उन विधायकों के बीच आखिरी समय तक कौन अपनी रणनीति कितनी मजबूती से निभा पाता है। राज्यसभा की 10 सीटों के चुनाव ने एक बार फिर यही सवाल सामने खड़ा कर दिया है। समाजवादी पार्टी ने 30 सितंबर को रामगोपाल यादव के साथ धनराज परिमल नथवानी को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले में नया कोण जोड़ दिया है। नथवानी का नाम इसलिए चर्चा में है क्योंकि उनकी पहचान पारंपरिक समाजवादी राजनीति से नहीं, बल्कि उद्योग और खेल प्रशासन से जुड़ी रही है। अब चुनाव सिर्फ सीटों का नहीं, अतिरिक्त वोटों की तलाश और राजनीतिक संदेश का भी बन गया है ।सबसे पहले गणित समझना जरूरी है। उत्तर प्रदेश विधानसभा की प्रभावी सदस्य संख्या 397 है। राज्यसभा की एक सीट के लिए प्रथम वरीयता के 37 वोट चाहिए। सपा के 101 विधायक हैं और कांग्रेस के दो विधायकों को जोड़ने पर संख्या 103 हो जाती है। दो उम्मीदवारों के लिए 74 वोट चाहिए। यानी सपा-कांग्रेस के पास 29 वोट अतिरिक्त बचते हैं। लेकिन तीसरे उम्मीदवार की जीत के लिए 37 वोट चाहिए होंगे। मतलब साफ है तीसरी सीट के लिए कम से कम आठ और वोट जुटाने होंगे। यही आठ वोट इस पूरे चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण संख्या बन चुके हैं।

दूसरी तरफ भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के पास 289 विधायकों का संख्या बल बताया गया है ।इस आधार पर सात सीटें सुरक्षित करने के बाद भी उसके पास अतिरिक्त वोटों का बड़ा आधार बचता है। इसलिए मौजूदा गणित में आठ सीटें भाजपा के लिए और दो सीटें सपा के लिए मजबूत स्थिति में दिखाई देती हैं। दसवीं सीट तभी संघर्ष का मैदान बनती है जब कोई पक्ष अपने तय हिस्से से आगे जाने के लिए अतिरिक्त समर्थन जुटाने की कोशिश करे। यही वजह है कि अब हर विधायक की राजनीतिक स्थिति और हर सहयोगी दल का रुख चर्चा का विषय बन गया है ।सपा ने नथवानी को मैदान में उतारकर इसी गणित के बीच अपना संदेश दिया है। धनराज परिमल नथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े रहे हैं और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके पिता परिमल नथवानी भी रिलायंस से जुड़े रहे हैं और झारखंड से राज्यसभा सदस्य हैं। धनराज नथवानी की सार्वजनिक पहचान कॉरपोरेट क्षेत्र, क्रिकेट और अन्य सार्वजनिक गतिविधियों से बनी है ।इसलिए उनका उत्तर प्रदेश से सपा उम्मीदवार बनना सामान्य राजनीतिक टिकट वितरण से अलग जरूर दिखाई देता है। लेकिन इसके पीछे पार्टी की अंतिम रणनीति क्या है।

यहां सपा के पुराने फैसलों को भी याद करना जरूरी है। पार्टी ने पहले भी उत्तर प्रदेश की राज्यसभा सीटों पर ऐसे लोगों को भेजा है जिनकी पहचान राज्य की जमीनी राजनीति से अलग रही ।जया बच्चन इसका प्रमुख उदाहरण हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़े किरणमय नंदा और मध्य प्रदेश के विदिशा से जुड़े मुन्नवर सलीम भी सपा के जरिए उत्तर प्रदेश से राज्यसभा पहुंचे। इसलिए नथवानी का चयन पार्टी के इतिहास में पूरी तरह नया प्रयोग नहीं कहा जा सकता। नया जरूर यह है कि इस बार कॉरपोरेट और खेल प्रशासन की पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को चुनावी मैदान में उतारने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब 2027 विधानसभा चुनाव की राजनीतिक जमीन तैयार हो रही है ।यहीं से पीडीए की राजनीति का सवाल भी उठता है। सपा ने पिछले वर्षों में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व को अपनी राजनीतिक रणनीति का केंद्रीय हिस्सा बनाया है। ऐसे में नथवानी की उम्मीदवारी पर सवाल उठना स्वाभाविक है कि पार्टी अपने सामाजिक समीकरण के साथ कॉरपोरेट पृष्ठभूमि के इस चेहरे को किस तरह जोड़ती है। लेकिन राज्यसभा की राजनीति केवल जातीय प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं होती। उम्मीदवार का संसदीय उपयोग, सार्वजनिक संपर्क, पेशेवर अनुभव और राजनीतिक पहुंच भी दलों के फैसलों में भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए इस चयन का अंतिम राजनीतिक अर्थ पार्टी के अगले कदमों से ही स्पष्ट होगा।

अब असली कहानी तीसरे उम्मीदवार की है। सपा ने तीसरे नाम को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पार्टी के भीतर इसे लेकर चर्चा लगातार चल रही है। पिछले दिनों दलित चेहरे को तीसरे उम्मीदवार के रूप में उतारने की संभावनाओं की खबरें सामने आई थीं। यदि ऐसा होता है तो सपा एक साथ संख्या और सामाजिक संदेश, दोनों को साधने की कोशिश करेगी। लेकिन 29 अतिरिक्त वोटों से 37 तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है। आठ वोटों की कमी छोटी दिखाई देती है, पर राज्यसभा चुनाव में यही अंतर निर्णायक हो सकता है ।भाजपा के लिए भी चुनौती अलग नहीं है। यदि आठवीं सीट के बाद अतिरिक्त मुकाबला बनता है तो उसे भी अपने अतिरिक्त वोटों को एकजुट रखना होगा। छोटे सहयोगी दलों और गठबंधन से बाहर के विधायकों की भूमिका बढ़ेगी। ऐसे चुनावों में क्रॉस वोटिंग की चर्चा स्वाभाविक है, लेकिन चर्चा और वास्तविक मतदान के बीच बड़ा अंतर होता है। 2024 के राज्यसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश ने दिखाया था कि अतिरिक्त सीट के लिए संख्या बल से अधिक महत्वपूर्ण अंतिम समय का प्रबंधन हो सकता है। इस बार भी किसी संभावित क्रॉस वोटिंग को पहले से तय मान लेना राजनीतिक गणित को अटकल में बदल देगा।

इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक महत्व यही है कि यह 2027 से पहले दोनों प्रमुख खेमों के संगठनात्मक प्रबंधन की परीक्षा बन गया है। राज्यसभा का परिणाम विधानसभा चुनाव का भविष्य तय नहीं करेगा, लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि कौन अपने विधायकों और सहयोगियों को कितनी मजबूती से साथ रख पाता है ।रामगोपाल यादव सपा की स्थापित संसदीय राजनीति का चेहरा हैं और धनराज नथवानी एक बिल्कुल अलग पेशेवर दुनिया से आते हैं। इन दोनों नामों का साथ आना अपने आप में सपा की रणनीति में विविधता दिखाता है ।अब तीसरा नाम इस तस्वीर को और स्पष्ट करेगा। 6 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तारीख है और 16 अक्टूबर को मतदान। तब 103 बनाम 37 का कागजी गणित वास्तविक मतपत्र पर उतरेगा। फिलहाल इतना तय है कि उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों की लड़ाई में असली कहानी सीटों की संख्या से ज्यादा उन अतिरिक्त वोटों की है, जिनके लिए दोनों खेमे अंतिम दिन तक राजनीतिक गणित साधेंगे।

कविता का कोना

क्षणभर का परिचय

विस्तृत गगन में कौन ठिकाना,
किसका यहाँ बसेरा है!
आज हमारा कहलाने वाला,
कल किसका फिर सवेरा है!
पल भर को मिलते हैं चेहरे,
पल में राह बदल जाती है।
जिसे समझते अपना जीवन,
वही कहानी ढल जाती है।
कल तक जिनसे नाम जुड़ा था,
आज निशाँ भी कहाँ बचा।
समय की धूल उड़ा ले जाती,
नियति ने ये खेल रचा।
चलते-चलते इतना जाना—
कुछ भी सदा हमारा नहीं।
हम भी बस उस राह के राही,
जिसका कोई किनारा नहीं।

अमृता मिश्रा
अध्यापिका, दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई

सेवा की कहानी : 'जब किसान बने अपने कारोबार के मालिक, महिला नेतृत्व ने दिखाई नई राह

शशिरत्न पाराशर, उप संचालक, धमतरी

गांवों की अर्थव्यवस्था केवल खेतों में पैदा होने वाली फसल से नहीं, बल्कि किसानों के सामूहिक निर्णय, बाजार की समझ और अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य हासिल करने की क्षमता से भी मजबूत होती है। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड में गट्टासिल्ली फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (FPC) की पांच वर्षों की यात्रा इसी बदलाव की प्रेरक कहानी है। यहां किसानों और महिला किसानों ने मिलकर न केवल एक व्यावसायिक मंच खड़ा किया है, बल्कि किसान-स्वामित्व वाले व्यवसाय और ग्रामीण उद्यमिता की एक नई राह भी तैयार की है।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत बीते 29 सितंबर को नगरी विकासखंड में आयोजित एफपीसी की वार्षिक आमसभा में करीब 550 शेयरधारकों की मौजूदगी ने इस सामूहिक शक्ति की तस्वीर को और मजबूत किया। नगरी विकासखंड के सभी पांच सीएलएफ से पहुंचे महिला एवं पुरुष शेयरधारकों ने एफपीसी की पांच वर्षों की यात्रा, उपलब्धियों, व्यवसायिक गतिविधियों, वित्तीय स्थिति, ऑडिट, लाभ तथा आगामी योजनाओं की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने भविष्य में सामूहिक व्यवसाय को और मजबूत बनाने के लिए अपने विचार भी साझा किए।

चुनौती से विश्वास तक का सफर : गट्टासिल्ली एफपीसी की शुरूआत केवल किसानों को एक संस्था से जोड़ने तक सीमित नहीं थी। शुरूआती दौर में किसानों और विशेषकर महिला किसानों को संगठित करना, उन्हें शेयरधारक के रूप में जोड़ना तथा एफपीसी में सामूहिक स्वामित्व की भावना विकसित करना बड़ी चुनौती थी। लेकिन समय के साथ यह चुनौती विश्वास में बदलती गई। शेयरधारकों ने समझा कि एफपीसी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि उनका अपना किसान-स्वामित्व वाला व्यवसाय है। यही सोच आज एफपीसी की सबसे बड़ी ताकत बन रही है।

वार्षिक आमसभा में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (BoDs) के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शुरूआती वर्षो में संगठन खड़ा करने से लेकर किसानों को व्यवसायिक गतिविधियों से जोड़ने तक कई चुनौतियां सामने आईं। लगातार संवाद, सामूहिक निर्णय और अनुभवों से सीखने के साथ किसानों का विश्वास बढ़ा और एफपीसी की गतिविधियों में उनकी भागीदारी मजबूत होती गई। आज महिला किसान और अन्य शेयरधारक केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया और सामूहिक व्यवसाय के सक्रिय भागीदार के रूप में आगे आ रहे हैं।

खेत से बाजार तक सामूहिक पहुंच : किसान के लिए उत्पादन जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसके उत्पाद का सही बाजार और उचित मूल्य भी है। इसी दिशा में गट्टासिल्ली एफपीसी द्वारा सुगंधित धान, नगरी दुबराज, लघु वनोपज (NTFP) तथा अन्य कृषि एवं वन आधारित उत्पादों के सामूहिक विपणन के अवसर विकसित किए जा रहे हैं। सामूहिक विपणन का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों, विशेषकर महिला किसानों को बाजार से बेहतर तरीके से जोड़ना है। इससे किसानों को अपने उत्पाद की गुणवत्ता, बाजार की मांग और मूल्य संबंधी जानकारी के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। एफपीसी मॉडल किसानों को यह समझने का अवसर भी देता है कि वे केवल कच्चे उत्पाद के उत्पादक न रहें, बल्कि संगठन, सामूहिक विपणन, मूल्य संवर्धन और बाजार संपर्क के माध्यम से अपनी आय के नए अवसर तलाश सकते हैं। यही ग्रामीण उद्यमिता की वह सोच है, जिसमें गांव का किसान उत्पादन के साथ-साथ व्यवसाय की समझ भी विकसित करता है।

महिला नेतृत्व ने संभाली कमान : गट्टासिल्ली एफपीसी की यात्रा में महिला किसानों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। स्वयं सहायता समूहों और सीएलएफ से जुड़ी महिलाओं का एफपीसी से जुड़ना ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक भागीदारी के नए अवसर खोलता है। महिलाओं की भागीदारी केवल संख्या तक सीमित नहीं है। बोर्ड और सामूहिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका यह संदेश देती है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाएं निर्णय लेने वाली, उत्पादक और उद्यमी की भूमिका भी प्रभावी ढंग से निभा सकती हैं। महिला नेतृत्व के माध्यम से परिवार की आय, कृषि गतिविधियों और सामुदायिक निर्णयों में महिलाओं की भूमिका को और मजबूती मिलती है। इससे ग्रामीण विकास का लाभ परिवार से आगे बढ़कर पूरे समुदाय तक पहुंचने की संभावना बनती है।

आमसभा बनी कृषि और संस्कृति का संगम : वार्षिक आमसभा में केवल वित्तीय और व्यवसायिक विषयों पर चर्चा नहीं हुई। कार्यक्रम में नगरी की कृषि संस्कृति और सामुदायिक चेतना की भी जीवंत झलक देखने को मिली। नगरी के पांचों सीएलएफ की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इनमें छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा क्यों कहा जाता है जैसे विषयों के साथ पुनर्योजी कृषि पद्धतियों के महत्व को भी प्रस्तुत किया गया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत युगल एवं सामूहिक नृत्य ने कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास भर दिया। इस तरह आमसभा ने व्यवसाय, कृषि, संस्कृति और सामुदायिक भागीदारी को एक ही मंच पर जोड़ दिया।

पांच साल की यात्रा, आगे की नई संभावनाएं: गट्टासिल्ली एफपीसी की पांच वर्षों की यात्रा यह बताती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक संस्थाएं केवल आर्थिक गतिविधियों का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों के आत्मविश्वास और स्वामित्व की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी बन सकती हैं। एफपीसी के माध्यम से किसानों को एक साथ लाने से उनकी सामूहिक क्षमता बढ़ती है। बाजार की जानकारी, उत्पादों का सामूहिक विपणन, कृषि एवं वन आधारित उत्पादों के लिए नए अवसर और महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी—ये सभी पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक संगठित और टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आगे एफपीसी के सामने उत्पादों में विविधता, गुणवत्ता सुधार, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, बेहतर बाजार संपर्क और डिजिटल माध्यमों के उपयोग जैसी संभावनाएं हैं। यदि किसान-स्वामित्व की भावना को इसी तरह मजबूत किया जाता रहा, तो स्थानीय कृषि एवं वन उत्पादों को व्यापक बाजार से जोड़ने की दिशा में नए अवसर विकसित हो सकते हैं।

सेवा संकल्प की भावना को साकार करती कहानी : सेवा संकल्प अभियान के मूल भाव में जनभागीदारी, सशक्तिकरण और विकास की प्रक्रिया में लोगों को सक्रिय भागीदार बनाना शामिल है। गट्टासिल्ली एफपीसी की कहानी इसी भावना को जमीन पर साकार करती दिखाई देती है। यह कहानी बताती है कि विकास तब अधिक टिकाऊ बनता है, जब उसके केंद्र में वही लोग हों जिनके लिए विकास की योजनाएं बनाई जाती हैं। यहां किसान केवल योजना के लाभार्थी नहीं, बल्कि अपने व्यवसाय के हिस्सेदार और निर्णय प्रक्रिया के सहभागी हैं। महिला किसान केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ रही हैं।

गट्टासिल्ली की पांच वर्ष की यात्रा इसलिए केवल एक एफपीसी की वार्षिक आमसभा की कहानी नहीं है। यह उस बदलाव की कहानी है, जिसमें गांव के किसान अलग-अलग उत्पादक से संगठित शक्ति, महिला किसान लाभार्थी से नेतृत्वकर्ता और कृषि परंपरागत गतिविधि से ग्रामीण उद्यमिता की ओर कदम बढ़ा रही है ।सामूहिकता से स्वामित्व, स्वामित्व से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से आत्मनिर्भरता—गट्टासिल्ली एफपीसी की यात्रा इसी संकल्प की जीवंत तस्वीर है।

कर्मचारियों ने बुलंद की लंबित मांगों की आवाज, संभाग स्तरीय धरना प्रदर्शन व रैली संपन्न

2 प्रतिशत महंगाई भत्ता, 300 दिनों का अवकाश नकदीकरण और संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर बुधवार को कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर साइंस कॉलेज स्थित निर्धारित धरना स्थल पर संभाग स्तरीय धरना प्रदर्शन एवं विशाल रैली आयोजित की गई। प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं शासकीय विभागों से पहुंचे कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। धरना स्थल पर बिजली एवं पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की अव्यवस्था के बावजूद कर्मचारियों का उत्साह कम नहीं हुआ। कर्मचारियों ने एकजुटता के साथ प्रदर्शन करते हुए शासन से लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।

संघ की प्रमुख मांगों में मोदी की गारंटी लागू करने के साथ 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत करना, सेवानिवृत्ति पर 240 दिनों के स्थान पर 300 दिनों का अवकाश नकदीकरण प्रदान करना तथा केंद्रीय कर्मचारियों एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के कर्मचारियों के अनुरूप लाभ देने की मांग प्रमुख रही। इसके साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजकों के वेतनमान का पुनरीक्षण, अनुकंपा नियुक्ति में लागू 10 प्रतिशत सीलिंग समाप्त करने, संविदा, दैनिक वेतनभोगी एवं अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित करने तथा मध्यप्रदेश की भांति उनकी सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने दर्ज कराई उपस्थिति

संभाग स्तरीय आंदोलन में प्रांतीय एवं संभागीय नेतृत्व सहित विभिन्न विभागीय संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इनमें शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, प्रांतीय महामंत्री विजय लहरे, वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रदीप बाबा चौहान, प्रांतीय महासचिव अनुरूप साहू एवं संभाग अध्यक्ष आनंद कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विभिन्न जिलों से दुर्ग जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव, राजनांदगांव जिलाध्यक्ष अरुण देवांगन, मानपुर-मोहला जिलाध्यक्ष रमेश कुमार नंदेश्वर, बेमेतरा जिलाध्यक्ष राजेश जायसवाल एवं बालोद जिलाध्यक्ष गोविंद मानिकपुरी सहित पदाधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर सचिव शिवदयाल घृतलहरे, सचिव धर्मेंद्र देशमुख, तकनीकी शिक्षा संयोजक गौरी शंकर रावना, डी.डी. सिरमौर एवं समाज कल्याण विभाग से जंतराम ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विभिन्न विभागीय संगठनों की ओर से आईटीआई कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष चंद्रकांत साहू, जिलाध्यक्ष जुबेर लकड़ा, प्रांतीय सचिव हितेंद्र साहू, छात्रावास अधीक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष सौरभ मेरी, जिलाध्यक्ष अनिल दुबे, श्रम विभाग संयोजक महेंद्र सिंह, राजस्व पटवारी संघ के संयोजक प्रमोद श्रीवास्तव एवं राजेश बंजारी तथा लोक वेतन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष मोतीराम खिलाड़ी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रदर्शन के पश्चात कर्मचारियों ने रैली निकालकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों पर शासन स्तर से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मांगों के निराकरण में विलंब होने की स्थिति में संघ आगामी आंदोलन की रणनीति तय करेगा। कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय विभागों के सैकड़ों कर्मचारियों की सहभागिता रही और कर्मचारियों ने एकजुटता के साथ अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन को सफल बनाया।

खास खबर

हाथी पर आएंगी मां दुर्गा : सप्तमी दो दिन, अष्टमी-नवमी एक ही दिन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शारदीय नवरात्रि 2026 की शुरूआत इस साल 11 अक्टूबर से होगी। नौ दिनों तक मां के नौ स्वरूपों की पूजा होगी। इस बार खास संयोग है कि मां दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है, जिसे समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। इस बार सप्तमी तिथि दो दिन 17 और 18 अक्टूबर को पड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद नवरात्रि 9 दिन की ही रहेगी क्योंकि अष्टमी और नवमी एक ही दिन 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार प्रतिपदा तिथि 10 अक्टूबर रात 9:19 बजे से शुरू होकर 11 अक्टूबर रात 9:30 बजे तक रहेगी। शास्त्रों में उदया तिथि मान्य होने से कलश स्थापना 11 अक्टूबर को होगी।

19 अक्टूबर को अष्टमी-नवमी का संयोग

अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर सुबह 8:27 बजे से शुरू होकर 19 अक्टूबर सुबह 10:51 बजे तक रहेगी। सूर्योदय के समय अष्टमी होने से 19 अक्टूबर को ही महागौरी पूजा, कन्या पूजन और नवमी के अनुष्ठान एक साथ होंगे। रायपुर दंतेश्वरी मंदिर के पं. यशवंत सिंह के अनुसार शारदीय नवरात्रि इस बार भी पूरे 9 दिन की ही है।

गजकेसरी योग का शुभ संयोग

इस नवरात्रि गुरु और चंद्रमा की विशेष स्थिति से गजकेसरी योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में जब गुरु और चंद्रमा एक-दूसरे से केंद्र भाव पहले, चौथे, सातवें या दसवें में होते हैं तो यह योग बनता है। इसे ज्ञान, प्रतिष्ठा, आत्मविश्वास और आर्थिक उन्नति देने वाला माना जाता है। मान्यता है कि नवरात्रि में इस योग का प्रभाव करियर, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन पर सकारात्मक पड़ेगा।

डॉ. राधाबाई कन्या महाविद्यालय में यातायात जागरूकता कार्यक्रम, 300 छात्राओं ने लिया हिस्सा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डॉ. राधाबाई कन्या महाविद्यालय में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक श्रीमती सीमा आहिरवार ने छात्राओं को यातायात नियमों, सिविक सेंस और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने कहा कि केवल कानून बना देने से देश विकसित नहीं बनता, बल्कि नागरिकों में नियमों के प्रति स्व-अनुशासन और जिम्मेदारी का भाव जरूरी है। विकसित देशों में लोग नियमों का पालन पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी समझकर करते हैं। एसीपी ने कहा कि विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा सिर्फ सड़कों और तकनीक से नहीं, बल्कि नागरिकों की सोच में बदलाव से पूरी होगी। लेन का पालन करना, पैदल यात्रियों को रास्ता देना, हेलमेट-सीट बेल्ट लगाना, अनावश्यक हॉर्न से बचना अच्छे सिविक सेंस के उदाहरण हैं।

कार्यक्रम में लायंस क्लब की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संदेश दिया गया कि यातायात सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

नारकोटिक्स के वित्तीय नेटवर्क पर प्रहार के लिए प्रभावी जांच जरूरी - एडीजी अमित कुमार

पुलिस मुख्यालय में नारकोटिक्स मामलों की फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर राज्यस्तरीय कार्यशाला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नारकोटिक्स के मामलों में केवल आरोपियों तक पहुंचने के बजाय नशे के अवैध कारोबार से जुड़े पूरे वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में नारकोटिक्स प्रकरणों की फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेशभर से उप पुलिस अधीक्षक से सहायक उप निरीक्षक स्तर तक के 70 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नारकोटिक्स अमित कुमार ने कहा कि नारकोटिक्स के मामलों में अपराधियों को सजा दिलाने के साथ ही उनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान और जब्ती कर वित्तीय नेटवर्क को तोड़ना आवश्यक है। इसके लिए प्रभावी और व्यापक विवेचना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नारकोटिक्स पदार्थ कहां से आ रहा है, कौन इसकी आपूर्ति कर रहा है और इसे किस तक पहुंचाया जा रहा है, इन सभी पहलुओं पर फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंक स्थापित करते हुए वित्तीय जांच की जानी चाहिए। इससे नशे के कारोबार से जुड़े वित्तीय नेटवर्क की पहचान कर उसके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है।

उप पुलिस महानिरीक्षक, नारकोटिक्स श्रीमती पारुल माथुर ने कहा कि एनडीपीएस प्रकरणों की विवेचना में विभिन्न संबंधित एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नशे के कारोबार से अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान और उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने नारकोटिक्स की सप्लाई रिडक्शन, डिमांड रिडक्शन, हार्म रिडक्शन और रिहैबिलिटेशन के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में इनकम टैक्स इन्वेस्टिगेशन विंग, रायपुर के डिप्टी डायरेक्टर प्रकाश चंद्र चौहान ने विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि वित्तीय जांच के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि नशे के अवैध कारोबार में अवैध धन कहां से आ रहा है और उसे कहां निवेश किया जा रहा है।

द्वितीय सत्र में नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम्स, इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड नारकोटिक्स, रायपुर के एडिशनल असिस्टेंट डायरेक्टर सलमान इम्तियाज हुसैनी ने जीएसटी के विश्लेषण के माध्यम से अवैध धन और उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन का पता लगाने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती अनामिका जैन सहित पुलिस मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, परिजनों ने पति पर लगाए हत्या के आरोप

धमतरी। जिले के भखारा थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान काजल पाल के रूप में हुई है, जो पत्रकार गुलेश पाल की बड़ी बहन थी। परिजनों ने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

परिजनों के मुताबिक, घटना से एक रात पहले काजल के साथ उसके पति यशवंत धनकर ने मारपीट की थी। पति का कहना था कि काजल गिर गई थी, जिसके बाद उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बाद में परिजनों को काजल द्वारा आत्महत्या की बात बताई गई। पूरी घटना किराए के मकान में हुई। परिजनों ने इस दावे पर संदेह जताया है। आरोप है कि काजल की हत्या करने के बाद उसके शव को फांसी के फंदे पर लटकाया गया। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

परिजनों का आरोप है कि उन्हें घटना की सूचना दोपहर करीब 2 बजे दी गई। जब वे अस्पताल पहुंचे तब तक शव को मच्युर्री में रख दिया गया था। जिस कमरे में शव मिला था, उसे तत्काल सील नहीं किया गया। परिजनों के आपत्ति जताने के बाद रात करीब 10 बजे कमरे को सील किया गया।

परिजनों ने पुलिस से मामले की विस्तृत और निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

अग्निवीर की तैयारी कर रहे युवाओं को SP ने दिया साइबर सुरक्षा का पाठ

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

जिले के युवाओं को साइबर अपराधों से बचाने के लिए पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। इसी कड़ी में 1 अक्टूबर को सुबह 8 बजे पुलिस लाइन जांजगीर में अग्निवीर भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय रढ ने युवाओं को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए। इस दौरान ASP डॉ. यूलैंडन यार्क, उरढ योगिताबाली खापर्डे, रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

युवाओं को दिए गए साइबर सुरक्षा टिप्स

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी से सतर्क रहें, कोई भी पुलिस या सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट नहीं करती।

अनजान व्यक्ति के कहने पर पैसे ट्रांसफर न करें और निजी जानकारी शेयर न करें।

अनजान लिंक पर क्लिक न करें, इससे मोबाइल में मालवेयर इंस्टॉल हो सकता है।

OTP, PIN, CVV, पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें।

सोशल मीडिया का उपयोग करते समय गोपनीयता का ध्यान रखें।

ठगी होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करें।

SP ने बढ़ाया युवाओं का हौसला

रढ विजय कुमार पाण्डेय ने युवाओं से लक्ष्य तय कर कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने शारीरिक और मानसिक मजबूती, संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम और अनुशासित दिनचर्या अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अग्निवीर भर्ती में सफलता के लिए फिटनेस सबसे जरूरी है, इसलिए दौड़ और फिजिकल गतिविधियों का रोज अभ्यास करें।

आदतन अपराधी मोनिका सचदेव 6 जिलों से जिला बदर, 17 अपराध दर्ज

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त गुंडा बदमाश महिला मोनिका सचदेव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर ने 30 सितंबर को आदेश जारी कर उसे 2 माह के लिए 6 जिलों से जिला बदर किया है। आरोपीया मोनिका सचदेव पति जियाउल (35 वर्ष), निवासी रावतपुरा कॉलोनी टिकरापारा, थाना टिकरापारा की सक्रिय गुंडा बदमाश और गैंग हिस्ट्रीशीटर है।

डीसीपी पश्चिम की रिपोर्ट पर जांच में पाया गया कि उसके खिलाफ वर्ष 2005 से थाना सिटी कोतवाली, टिकरापारा, गोलबाजार, सिविल लाइन में मारपीट, अवैध वसूली, लूट, आबकारी और एनडीपीएस एक्ट के कुल 17 अपराध दर्ज हैं। उसकी गतिविधियों से रावतपुरा कॉलोनी क्षेत्र में भय व्याप्त था और लोग शिकायत करने से डरते थे। पुलिस कमिश्नर रायपुर ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जिला रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार और गरियाबंद की राजस्व सीमा से 2 माह के लिए निष्कासित करने का आदेश दिया है।

साई आस्था चैरिटेबल ट्रस्ट ने नयन दीप विद्या मंदिर को भेंट की शैक्षणिक सामग्री

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

साई आस्था चैरिटेबल ट्रस्ट भिलाई द्वारा नयन दीप विद्या मंदिर भिलाई के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए शिक्षा से संबंधित विभिन्न सामग्री, विशेष रूप से ब्रेल किट की अनेक सामग्री भेंट की गई। देहरादून से कोरियर के माध्यम से प्राप्त यह सामग्री ट्रस्ट के सहयोग से विद्यालय को उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर साई आस्था चैरिटेबल ट्रस्ट भिलाई के अध्यक्ष संदीप नंदनवार ने दृष्टिबाधित बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ट्रस्ट की ओर से निरंतर प्रयास किए जाते हैं और आगे भी हरसंभव सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के सारगर्भित उत्तर दिए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने गीत-संगीत की प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। ट्रस्ट के सचिव संदीप गुप्ता एवं ट्रस्ट के सदस्यों के सहयोग से विद्यालय को यह शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर रोटरी चैरिटेबल के अध्यक्ष सी.एस. बाजवा, ज्ञानचंद जैन, सुमन कन्नौजे, नयन दीप विद्या मंदिर की प्राचार्या श्वेता महोबिया एवं संगीत शिक्षिका मनीषा ओझा ने संयुक्त रूप से साई आस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शाल पहनाकर सम्मान किया।

कार्यक्रम में साई आस्था चैरिटेबल ट्रस्ट भिलाई के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ भिलाई के अध्यक्ष सुरेश चंद सहित उनके सहयोगी उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उनकी अध्ययन प्रक्रिया को सुगम बनाना रहा।

कठिन तपस्या | श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल ने पालकी में बिठाकर किया भव्य अभिनंदन, धर्मसभा में गूंजे जयकारे

मासक्षमण की ओर अग्रसर चार तपस्वी, अमन सुराणा ने पूर्ण किए 30 उपवास

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब दुर्ग में इन दिनों तप, त्याग और धर्म आराधना का अनुपम वातावरण बना हुआ है। चार तपस्वी मासक्षमण जैसी महान तपस्या की ओर अग्रसर हैं। इनमें शशांक कर्नावट, पूनम जैन एवं अमन सुराणा सहित अन्य तपस्वी निरंतर तप आराधना में लीन हैं। इसी क्रम में श्रीमती किरण देवी संचेती ने धर्मसभा में 65 उपवास का संकल्प लेकर अपनी दृढ़ साधना और आत्मबल का परिचय दिया। मानव मिलन संस्थापक नेपाल केसरी राष्ट्र संत मणिभद्र मुनि जी महाराज के प्रेरणा आशीर्वाद एवं सानिध्य में श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के सक्रिय सदस्य अमन सुराणा ने 30 उपवास की कठिन तपस्या पूर्ण की। उनकी इस तपस्या के पूर्ण होने पर श्रमण संघ परिवार की ओर से धर्मसभा में अनुमोदना एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के सदस्यों ने अपने लाडले सदस्य अमन सुराणा एवं शशांक कर्नावट को पालकी में विराजमान कर बांधा तालाब से जय आनंद मधुकर रतन भवन तक भव्य स्वागत यात्रा निकाली। तपस्वियों की जय-जयकार और धार्मिक उद्घोषों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। युवा संघ के सदस्यों में भी इस अवसर पर विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिला।

तपस्या की अनुमोदना करते हुए युवा संघ अध्यक्ष पदम छाजेड़ ने 15 उपवास तथा श्रीमती सुषमा सुराणा ने 16 उपवास का संकल्प लिया। दोनों ने अपने संकल्पों के माध्यम से मासक्षमण तपस्वी अमन सुराणा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी तपस्या की अनुमोदना की।

धर्मसभा में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने तपस्वियों के संयम, आत्मबल और तप साधना की सराहना करते हुए उनके उत्तरोत्तर आध्यात्मिक उत्कर्ष की मंगलकामना की। तपस्वियों की साधना ने पूरे श्रमण संघ परिवार में धर्म, त्याग और आत्मसंयम की प्रेरणा का संचार किया। कार्यक्रम में पधारे सभी गुरु भक्तों के गौतम प्रसादी की व्यवस्था संदीप कुमार रोहित कुमार सुराणा परिवार की ओर से रखी गई थी।

शहर बना कचरे का ढेर, गड्ढे वाली सड़कें किसी नरक से कम नहीं - देवेश मिश्रा

बदहाल व्यवस्था को लेकर निगम प्रशासन व भाजपा सरकार पर तीखा हमला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भगवा पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने दुर्ग शहर की बदहाल व्यवस्था को लेकर निगम प्रशासन और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दुर्ग शहर अब कचरे का शहर बनता जा रहा है, जहां अंधेरा, गंदगी और गड्ढे वाली सड़कें किसी नरक से कम नहीं हैं।

देवेश मिश्रा ने कहा, सत्ता संभालते ही भाजपा के सारे इंजन फेल हो गए हैं। रोजमर्रा की मूलभूत व्यवस्थाएं चौपट हैं। पूरा शहर कचरों से पटा है। हर चौक-चौराहे, व्यस्त मार्गों, वीआईपी रोड और ऑक्सीजन जोन तक पर निगम के संरक्षण में अघोषित बाजार और मांस-मटन की दुकानें बेधड़क चल रही हैं।

बिजली खंभों से गायब है रोशनी

उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली खंभों में लाइट नहीं है, शहर अंधकार में डूबा है। सड़कें लगभग गायब हैं, जगह-जगह गड्ढे हैं, जिससे रोज हादसे हो रहे हैं। ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। अतिक्रमण, सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहन, निर्माण सामग्री का बिखराव और आवारा मवेशी आम जनता के लिए मुसीबत बने हैं। त्योहारी सीजन में ये समस्याएं और बढ़ जाती हैं।

मिश्रा ने कलेक्टर, स्थानीय प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि सभी बिजली खंभों पर तुरंत लाइट लगाई जाए। गड्ढे वाली सड़कों को तत्काल बनाया जाए। सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया जाए। सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए। गौवंश को गौशाला में रखा जाए। मांस-मटन दुकानों के लिए अलग स्थान तय किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन जल्द कदम उठाए ताकि लोग आगामी पर्व-त्योहार मूलभूत सुविधाओं के साथ मना सकें।

....ऐसे शुरू हुई नूपुर सेनन की लव स्टोरी

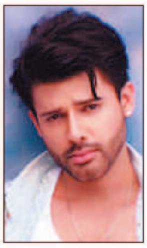

गायक स्टेबिन बेन और नुपूर सेनन हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में पहुंचे, जहां इस कपल ने अपनी दिलचस्प प्रेम कहानी का खुलकर जिक्र किया। शो के दौरान स्टेबिन बेन ने बताया कि उन्होंने पहली बार 2016 में नूपुर को कोलैब के लिए मैसेज किया था। स्टेबिन ने बताया, 'हम दोनों को म्यूजिक से बहुत प्यार था। नूपुर क्लासिकली ट्रेन सिंगर हैं और मैंने कोई प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं ली है, लेकिन मैं गाता था।' स्टेबिन बेन ने बताया, 'इसी तरह हम इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के काम की तारीफ करते-करते बातें करने लगे। मैंने नुपूर को बहुत साल पहले 2016 में कोलैब के लिए डीएम (डायरेक्ट मैसेज) किया था, तब वो यूट्यूबर थीं। नूपुर ने बताया कि उन्होंने स्टेबिन का मैसेज लगभग 4 साल तक देखा ही नहीं था। 2020 में जब उन्होंने स्टेबिन का गाया हुआ 'मेरा दिल भी कितना पागल है' का कवर सुना, तब पहली बार उन्होंने उनकी आवाज सुनी और उन्हें उनकी आवाज बहुत पसंद आई। नूपुर ने याद करते हुए बताया, 'उस समय मैं सिंगल थी और एक दिन मैंने इंस्टाग्राम पर स्टेबिन का डीएम देखा। उन्होंने यह मैसेज 2016 में कोलैब के लिए भेजा था। उनके मैसेज में कुछ अलग वाइब और एनर्जी थी, इसलिए मैंने रिप्लाई किया और हमारी बातें शुरू हो गईं। वो मुझे गानों के वॉइस नोट भेजते थे और मुझे वो बहुत पसंद आते थे।' नूपुर सेनन और प्रसिद्ध भारतीय गायक स्टेबिन बेन ने जनवरी 2026 में उदयपुर में शादी की थी। यह शाही शादी उदयपुर में उदयसागर झील के बीच स्थित रेफल्स होटल में हुई। कपल ने दो अलग-अलग रीति-रिवाजों से शादी की थी। उन्होंने पहले 10 जनवरी 2026 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से सफेद गाउन और सूट पहनकर वाइट वेडिंग की। इसके बाद पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। हिंदू विवाह समारोह के दौरान नूपुर ने पीच और ऑरेंज रंग का खूबसूरत डुअल-टोन लहंगा पहना था।

नागिन से बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन तक का सफर किया तय

टीवी और अब बॉलीवुड की दुनिया में धमाल मचा रही अभिनेत्री मौनी रॉय को यूं तो कई रोल्स के लिए जाना जाता है। जहां उन्होंने करियर की शुरुआत में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया, तो 'देवों के देव... महादेव' में सती बनकर लोगों के बीच पहचान बनाई, लेकिन असली लोकप्रियता उन्हें 'नागिन' सीरियल से मिली। वह नागिन के किरदार से घर-घर में पहचानी जाने लगीं। जिस अभिनेत्री ने नागिन बनकर लोगों के मन में एक खौफ पैदा किया, वो असल जिंदगी में खुद नागों से डरती हैं। सांपों के प्रति उनका डर बचपन से ही है और इसका खुलासा उन्होंने फराह खान के यूट्यूब व्लॉग में किया। दरअसल, हाल ही में फराह खान अपने कुक दिलीप के साथ मौनी रॉय के नए घर गई थीं। वहीं दोनों के बीच खूब सारी बातें हुईं। बातचीत के दौरान मौनी ने बताया कि वह बचपन से ही सांपों से बहुत डरती हैं। उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैंने नागिन का रोल किया है तो मुझे सांपों से प्यार होगा, लेकिन सच इसके बिल्कुल उल्टा है। मुझे सांपों से बहुत डर लगता है।' मौनी ने सीरियल 'नागिन' के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूट के दौरान उन्हें असली सांपों के साथ नहीं, बल्कि वीएफएक्स और डमी सांपों के साथ शूट करना पड़ता था। फिर भी जब भी उन्हें सांप जैसा कुछ भी दिखता था तो वह घबरा जाती थीं। मौनी ने 'नागिन' से पहले और बाद में कई यादगार किरदार निभाए हैं। 'गोल्ड', 'मेड इन चाइना' और 'ब्रह्मास्त्र' में जूनून के किरदार ने उन्हें बॉलीवुड में एक अलग पहचान दिलाई। 28 सितंबर को मौनी 40 साल की हो गई है। उनका यह डर वाला किस्सा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस कमेंट कर रहे हैं कि यह जानकर हैरानी हुई कि ऑन-स्क्रीन सबसे खतरनाक नागिन ऑफ-स्क्रीन इतनी डरपोक है। फराह खान के इस व्लॉग के बाद मौनी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं और उनका क्यूट डर फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

मौनी को पहला बड़ा ब्रेक 2007 में एकता कपूर के सुपरहिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने 'कस्तूरी', 'देवों के देव...महादेव' जैसे शोज किए। 'महादेव' में सती के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। लेकिन असली स्टारडम उन्हें 2015 में आई एकता कपूर की ही सीरीज 'नागिन' से मिला। शिवन्या और शिवांगी के डबल रोल में मौनी ने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 'नागिन' और 'नागिन 2' ने उन्हें टेलीविजन की सबसे महंगी और सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार कर दिया। टीवी पर सफलता के बाद मौनी ने बड़े पर्दे का रुख किया। 2018 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'गोल्ड' से उन्होंने बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म हिट रही और मौनी की एक्टिंग को सराहा गया। इसके बाद वह 'मेड इन चाइना', 'रॉ', और आयान मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जूनून के नेगेटिव किरदार में नजर आईं, जिसने उन्हें एक अलग पहचान दी।

अभिनय की बारीकियां सीखने में सीनियर्स ने काफी मदद की

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारीकियां सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिव्या दत्ता ने अपने को-एक्टर मनोज बाजपेयी और निर्देशक बेन रेखी के साथ मुंबई में आईएएनएस से बातचीत की। दिव्या दत्ता ने आईएएनएस से कहा, ''सबसे पहले, जहां तक मेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग ठीक से बोल रही हूं और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो मेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही थी, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही थी। उस समय मेरे सीनियर्स ने मेरा हाथ थामा और मुझसे कहा, 'सुनो, तुम अच्छा कर रही हो, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही हो।' इस मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''समय के साथ आप ये चीजें सीखते हैं। वे यह भी कहते हैं कि पहले अपनी लाइनें अच्छे से तैयार कर लो, तकनीकी चीजों को समझ लो और उसके बाद बस उस पल में पूरी तरह शामिल हो जाओ। उस पल का जादू अपने आप होने दो। अगर मैं अपने को-एक्टर की आंखों में देख रही हूं, तो शायद हर टेक अलग होगा। हर टेक में जब मैं उनकी आंखों में देखूंगी तो उससे एक अलग भावना पैदा हो सकती है।''

दिव्या ने आगे कहा, ''वह भावना कभी ऊपर जा सकती है और कभी नीचे। कई बार यह आपको हैरान भी कर देती है। इसलिए आपको उसे स्वाभाविक रूप से होने देना चाहिए। अगर आप बहुत ज्यादा बंध जाते हैं और सोचते हैं कि 'नहीं, नहीं, यही सीमा है और मुझे इसी नोट पर परफॉर्म करना है', तो आपका अभिनय बहुत सीमित हो जाता है। आपको बस अपने अभिनय को स्वाभाविक रूप से बहने देना चाहिए।'' इस बीच, 'लास्ट मैन इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलते मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुरानी अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहते हैं। जब एक अमीर डेवलपर वहां के निवासियों को इमारत बेचने के बदले बड़ी रकम की पेशकश करता है, ताकि उसकी जगह एक लग्जरी टावर बनाया जा सके, तो ज्यादातर लोग पैसे के लालच में इस प्रस्ताव के लिए तैयार हो जाते हैं। हालांकि, मनोज बाजपेयी का किरदार वहां से जाने से इनकार कर देता है और इस तरह वह पुनर्विकास योजना के रास्ते में अकेली बड़ी बाधा बन जाता है। फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' फिलहाल सिनेमाघरों में चल रही है।

अभिनय छोड़ने वाली थीं अंजलि आनंद, फिर ऐसे मिली करण जौहर की फिल्म

फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान अक्सर जानी-मानी हस्तियों के घर जाती हैं और वहां से व्लॉग बनाकर उन्हें यूट्यूब पर शेयर करती हैं। अब हाल ही में फराह अभिनेत्री अंजलि आनंद के मुंबई स्थित घर पहुंचीं। इस दौरान अंजलि ने फराह को अपने घर की झलक दिखाई। साथ ही बातों ही बातों में यह भी बताया कि कैसे उन्हें अपनी डेब्यू फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' मिली। फराह से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, '2020 मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर था। मैं सोच रही थी कि मैं इंडिया से बाहर चली जाउंगी। अब मुझे एक्टिंग नहीं करनी। कुछ मिल नहीं रहा था, क्योंकि लॉकडाउन हो गया था। लॉकडाउन में सारे पैसे खत्म हो गए थे, क्योंकि उस समय किराए पर अकेले रहती थी। तो सब खत्म हो गया था, तब छह महीने में जितनी सेविंग्स थी सब खत्म हो गई थी।'

अंजलि आनंद ने आगे बताया, 'फिर मेरे दोस्त मुझे गोवा लेकर गए। वहां मुझे कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा का मैसेज आया। 'शानू ने मुझे बताया कि करण ने तुम्हारी फोटो देखी और उन्हें पसंद आई। वो फिल्म के इस पार्ट के लिए एक्टर देख रहे हैं। अगर तुम ऑडिशन पार कर लो, तो वह तुम्हें ले लेंगे।' अंजलि ने बताया कि करण जौहर उनकी तस्वीरों और ऑडिशन से प्रभावित हुए थे।

संजय मिश्रा ने थामी कलम; सिनेमा के अनुभवों को दिया किताब का रूप

चर्चित अभिनेता संजय मिश्रा ने अपनी अदाकारी से दर्शकों के बीच अच्छी जगह बनाई है। सपोर्टिंग भूमिकाओं के जरिए भी उन्होंने खूब नाम कमाया है। हाल ही में उन्हें 'भक्षक' में अपने किरदार के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस बीच अभिनेता ने अपनी किताब का एलान किया है। अभिनेता संजय मिश्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी किताब को लेकर जानकारी दी है। यह दरअसल, अभिनेता की आत्मकथा होगी। इस आगामी ऑटोबायोग्राफी में वे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़ी अनकही कहानियों, संघर्षों, अनुभवों और सीखों को साझा करेंगे। किताब का नाम 'हम सीखते-सीखते रह गए' है। संजय मिश्रा की यह किताब नई दिल्ली में विश्व पुस्तक मेला में लॉन्च होगी, जिसका आयोजन जनवरी 2027 में होगा। संजय मिश्रा ने यह किताब अपने दिवंगत पिता शंभू नाथ मिश्रा को समर्पित की है।

हॉरर थ्रिलर प्रोजेक्ट से जुड़े अजय देवगन, नए शीर्षक का हुआ एलान

अजय देवगन की अपकमिंग हॉरर थ्रिलर फिल्म का आधिकारिक टाइटल सामने आया है। इस फिल्म के निर्देशक रोहित जुगराज हैं। पहले इस प्रोजेक्ट को 'गृह प्रवेश' के नाम से जाना जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस फिल्म का नाम 'सूर्य प्रकाश' रखा गया है।

किससे प्रेरित है कहानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सुपरनैचुरल थ्रिलर एक रहस्यमयी और नैतिक रूप से जटिल दुनिया को दिखाएगी, जिसमें देवगन एक ऐसा किरदार निभाएंगे जो उनकी हालिया फिल्मों के किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। कहा जाता है कि इसकी कहानी गरुड़ पुराण से प्रेरित है, जो एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। यह ग्रंथ पारंपरिक रूप से भगवान विष्णु और पक्षियों के राजा गरुड़ के बीच बातचीत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। 'सूर्य प्रकाश' टाइटल इस कहानी में रहस्य और रोमांच की एक और परत जोड़ता है, जिसमें हॉरर, मिस्ट्री और सस्पेंस का मिश्रण होने की उम्मीद है। फिल्म का प्रोडक्शन दो सितंबर को शुरू हुआ और इसके नवंबर तक चलने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, मेकर्स इसे 2027 की दूसरी छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य बना रहे हैं। इस फिल्म को पैनोरमा स्टूडियोज के कुमार मंगत और अभिषेक पाठक, देवगन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

रोहित जुगराज का हॉरर जॉनर से नाता

'सुर्य प्रकाश' के निर्देशक रोहित जुगराज का हॉरर जॉनर से पुराना नाता रहा है। उन्होंने 2003 में अजय देवगन की फिल्म 'भूत' में राम गोपाल वर्मा के असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद जुगराज ने 'सरदारजी' फिल्में डायरेक्ट कीं और 'ये काली काली आंखें' और 'चमक' जैसे स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया। 'सूर्या प्रकाश' पर देवगन के साथ उनका काम सुपरनैचुरल जॉनर में एक और कोशिश है, जो इस बार एक मिस्ट्री-बेस्ड कहानी के जरिए सामने आएगी।

अजय देवगन का वर्कफ्रंट

अजय देवगन जल्द ही रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म 'गोलमाल' सीरीज की पांचवीं फिल्म है। खास बात यह है कि इस फिल्म से अक्षय कुमार भी जुड़े हैं। बताया जाता है कि वह इस फिल्म में विलेन का किरदार करेंगे। अजय देवगन 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की तैयारी कर रहे हैं, जो इस पॉपुलर थ्रिलर फ्रैंचाइजी का अगला चैप्टर है। यह दो अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'1920 : कोल्ड विंटर' से डरावनी फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं आन्या सिंह और अहान शेट्टी

फिल्मकार विक्रम भट्ट अपनी चर्चित डरावनी फिल्म सीरीज '1920' की अगली कड़ी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम '1920 : कोल्ड विंटर' बताया जा रहा है। फिल्म में अहान शेट्टी के साथ आन्या सिंह भी नजर आएंगी। अन्या के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि वह पहली बार डरावनी फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वहीं अहान शेट्टी भी पहली बार किसी अलौकिक डरावनी फिल्म में काम करते दिखाई देंगे। '1920 : कोल्ड विंटर' को विक्रम भट्ट की '1920' सीरीज की छठी फिल्म बताया जा रहा है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला की मासिक बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर हुई सार्थक चर्चा

जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ जनता के बीच उठाना हमारी जिम्मेदारी-आशीष छाबड़ा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा विधानसभा अंतर्गत विश्राम गृह, नगर पंचायत बेरला में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला द्वारा आयोजित मासिक बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा शामिल हुए। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत तथा सक्रिय बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए आशीष छाबड़ा ने कहा कि कांग्रेस संगठन की मजबूती कार्यकताओं की एकजुटता और सक्रियता से ही संभव है। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करते हुए जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ जनता के बीच उठाना हमारी जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला के अध्यक्ष विवेक राजपूत ने भी बैठक को संबोधित किया और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रवि पारगनिहा जी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला के अध्यक्ष विवेक (सुमित) सिंह राजपूत सहित भारत भूषण साहू चंद्रशेखर परगनिहा, चंद्रप्रकाश साहू, राजेश दुबे जी, सविता हिरवानी, नेहा सुराना किशन साहू, कृष्णा चतुवेर्दी, प्रवीण शर्मा, रासबिहारी कुर्रे, लोकनाथ यादव, श्याम दास बंजारे, सत्यभामा परगनिहा धनराज बंजारे प्रदीप परगनिहा, राजकुमार बंजारे, जितेंद्र जोशी, राजू सिन्हा, चंदन साहू सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे

कलेक्टर ममगाई ने किया बेरला ब्लॉक के निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निदेर्शानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े के मार्गदर्शन में दिनांक 30 सितंबर 2026 को जिला स्तरीय टीम द्वारा बेरला विकासखंड के निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला टीम ने अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं, चिकित्सकों की उपस्थिति, दवाइयों के स्टॉक, साफ-सफाई, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन एवं भर्ती मरीजों को दी जा रही उपचार सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। टीम द्वारा सभी निजी अस्पताल प्रबंधनों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा किसी भी मरीज को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत पात्र सभी मरीजों को शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए। टीम ने कहा कि कोई भी पात्र मरीज योजना के लाभ से वंचित न रहे और अस्पताल में योजना से संबंधित जानकारी, हेल्प डेस्क और प्रचार सामग्री अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। निरीक्षण के दौरान कमियां पाए जाने पर संबंधित अस्पतालों को नोटिस जारी कर सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस प्रकार के निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

खास खबर

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना तथा स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने अस्पताल के विभिन्न कक्षों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों को समय पर बेहतर उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा सहजता से उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने अस्पताल के दवा वितरण केंद्र पहुंचकर वहां उपलब्ध दवाइयों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था एवं मरीजों को दवा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रहे, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, मरीजों के लिए आवश्यक सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित और प्रभावी रूप से संचालित की जाएं। निरीक्षण के दौरान बीएमओं पुरषोतम राजपुत, संबंधित चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसुमकसा में डॉ. आशी जैन को किया पुन: पदस्थ

नई दृष्टिबिंदु / डौंडी

विधायक प्रतिनिधि व जनपद सदस्य की मांग पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसुमकसा में डां आशी जैन को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बालोद द्वारा पुनः पदस्थ किया गया। विदित हो की 24 सितंबर को डौंडी के जनपद पंचायत कार्यालय के सभागार में साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई थी। जहां कुसुमकसा क्षेत्र की जनपद सदस्य मंजू बैस नें प्रमुखता के साथ कुसुमकसा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डां आशी जैन का स्थानांतरण अन्य किये जाने पर अपनी आपत्ति जताते हुए, उक्त चिकित्सक का स्थानांतरण पुनः कुसुमकसा में किये जाने की मांग की गई। उनकी इस मांग का समर्थन करते हुए विधायक प्रतिनिधि नें दुरभाष पर जिला चिकित्सा अधिकारी से बात की जिस पर उन्होंने 10 दिनों उक्त चिकित्सक का स्थानांतरण कुसुमकसा में कर दिये जाने का आश्वासन दिया था। जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नें 29 सितंबर को आदेश जारी करते हुए उक्त चिकित्सक को पुनः कुसुमकसा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर दिया गया है।

176 साइबर ठगी का मास्टरमाइंड बंगाल से गिरफ्तार वर्चुअल अकाउंट से 1.71 लाख लोगों को लगाया चुना

साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

छत्तीसगढ़ पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। देशभर में 176 FIR का वांटेड और 1.71 लाख से ज्यादा लोगों को ठगने वाले अंतर्राज्यीय साइबर गिरोह के मास्टरमाइंड को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पुलिस ने पश्चिम बंगाल से धर दबोचा है। मुख्य सरगना समेत 3 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह के निर्देशन और एसडीओपी मानपुर विनोद कुमार मिंज के मार्गदर्शन में खड़गांव थाना प्रभारी सुशील त्रिपाठी और प्रशिक्षु रक अब्दुल रियाज की टीम ने यह सफलता हासिल की।

ऐसे हुआ खुलासा

थाना खड़गांव में अपराध क्र. 06/26, धारा 318(4) BNS के तहत मामला दर्ज था। पीड़ित से 3,12,348 रुपये ठगकर 9 अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए थे। जांच में पता चला कि आरोपियों ने वर्चुअल बैंक खाता नंबर 211071614 बनाया था, जिसमें 60,000 रुपये ट्रांसफर हुए थे। जब इस वर्चुअल खाते का तकनीकी और बैंकिंग ट्रांजेक्शन विश्लेषण किया गया तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। इसी एक खाते से देश के 1,71,000 से अधिक लोगों के साथ ठगी की गई थी और इस खाते से जुड़े देश के 14 राज्यों में 176 FIR पहले से दर्ज हैं।

14 राज्यों में दर्ज हैं FIR

- कर्नाटक: 54 FIR
- बिहार: 46 FIR
- तेलंगाना: 28 FIR
- उत्तर प्रदेश: 10 FIR
- केरल: 08 FIR
- महाराष्ट्र: 07 FIR
- हरियाणा / तमिलनाडु: 06-06 FIR
- दिल्ली: 04 FIR
- पश्चिम बंगाल: 03 FIR
- अंडमान निकोबार, अरुणाचल, मिजोरम, राजस्थान: 01-01 FIR

अकेले मोहला-मानपुर जिले में 31 शिकायतें: इस गिरोह के खिलाफ जिले में भी 31 शिकायतें मिलीं - अंबागढ़ चौकी में 15, खड़गांव में 9, मोहला में 3, मानपुर में 2, गोटाटोला और मदनवाड़ा में 1-1।

गिरफ्तार आरोपी में आदित्य रजक (मुख्य सरगना) - पिता उपेंद्र रजक, कोननगर नवोग्राम, थाना उत्तरपारा, जिला हुगली (प. बंगाल), कृष्णा चौधरी - टीटागढ़, नार्थ 24 परगना (प. बंगाल) और सुमन वर्मा - टीटागढ़, नार्थ 24 परगना (प. बंगाल) शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि देशभर की पुलिस इस गिरोह की तलाश में थी, आरोपी लगातार लोकेशन बदल रहे थे। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 30 सितंबर 2026 को तीनों को दबोचा गया और न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में SI अब्दुल रियाज, सउनि धन सिंह महिलांगे, आरक्षक आशीष जोगी, नर्मदा प्रसाद पैकरा, महिला सहायक आरक्षक सरिता जाड़े और साइबर सेल की विशेष भूमिका रही। पुलिस ने अपील की है कि किसी भी अज्ञात वर्चुअल अकाउंट के झांसे में न आएं और साइबर फ्रॉड होने पर 1930 हेल्पलाइन पर तुरंत सूचना दें।

जवान का शव सड़क पर रखकर परिजनों ने किया विरोध

सूरजपुर। SF-6 बटालियन में पदस्थ जवान विजेंद्र ठाकुर की मौत का मामला अब सवालों के घेरे में आ गया है। बटालियन की ओर से जवान का शव गांव पहुंचाए जाने के बाद परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार कर दिया। परिवार ने जवान की मौत के पीछे किसी साजिश या हत्या की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जवान का शव गांव पहुंचने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने देवनगर मुख्य सड़क पर शव रखकर विरोध जताया। इस दौरान परिवार की ओर से मौत की परिस्थितियों की जांच कराने और वास्तविक वजह सामने लाने की मांग की गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि जवान का शव गांव लाए जाने के दौरान विभाग के किसी वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी नहीं थी। परिवार ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जताई और मामले की जांच को लेकर सवाल उठाए। जवान की मौत के बाद परिवार में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि उसे शहीद का दर्जा नहीं दिया गया। परिजनों की मांग है कि मौत की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

गड्ढे वाली सड़कें बेमेतरा शहर की बनी पहचान, न अफसरों को शर्म और न जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

दुर्ग से बेमेतरा को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग कंतेली, निनवा, हथमुड़ी, डूडा, भेड़नी,देवरावीजा, केसडबरी ,कोदवा, तक मार्ग में गड्ढे ही गड्ढे जिससे लोगों को हो रही है बड़ी परेशानियां। इस रास्ते में मवेशियों के कारण भी रास्ता गांव और पुल में बाधित होता है।

इस रास्ते में रोड के ऊपर कई शासकीय स्कूल और कृषि सेवा सहकारी समिति, स्वास्थ्यकेंद्र, संबंधित थाना क्षेत्र, आते हैं जहां पर भारी वाहन, बस ट्रक और लोडिंग गाड़ियां भी चलती है जिस वजह से इस मुख्य मार्ग में ट्रैफिक का दबाव अधिक है जबकि यहां पर पुलिस पेट्रोलिंग टीम द्वारा समय-समय पर चेकिंग भी की जाती है। बावजूद इसके लगातार इस रोड पर घटना दुर्घटना रोड की खराब होने की वजह से आए दिन होते रहती है। इस रोड के बीच ना तो डिवाइडर है ना ही लाइट की समुचित व्यवस्था की गई है। हथमुड़ी के गांव वासी और सरपंच से चर्चा करने पर उन्होंने जानकारी दी की रोड के ऊपर दो माह से अधिक समय भी जाने पर भी रोड की मरम्मत नहीं हुई पास में ही स्कूल है और बच्चों का आना-जाना लगा रहता है भारी वाहन भी इसी रोड से गुजरते हैं कुछ आगे ही पुल है, फिर भी, फिर भी जिला प्रशासन सुध नहीं ले रहा। कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा इस तरह का निर्माण करवाया जाता है। जिसकी वजह से आम जनता को जान और माल का नुकसान होता है।, वह कौन सी एजेंसी है, जिन्हें बार-बार काम मिलने पर भी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

ग्राम पंचायत खाती से गाढ़ाघाट मार्ग जो की बेमेतरा खमरिया के रोड का भाग है। थान खमरिया से 10 किलोमीटर की दूरी पर है जबकि रोड मार्ग बहुत सकरा होने की वजह से दो वाहन एक साथ नहीं गुजार सकते। आए दिन यहां दुर्घटनाएं होते रहती है रोड इतनी जर्जर और खराब है जिसकी मरम्मत होनी चाहिए। लोक निर्माण विभाग बेमेतरा की खस्ताहाल सड़कों के लिए अपनी जवाबदारी नहीं निभा पा रहा है। अब देखना यह होगा कि खबरों के बाद इस विषय पर कितनी जल्दी संज्ञान लिया जाता है और लोगों के जानो माल के नुकसान को कब तक दुरुस्त करने कार्रवाई की जाएगी।

बारूद फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर शिवसेना का फूटा गुस्सा, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले की बारूद फैक्ट्री में भीषण हादसे के बाद भी फैक्ट्री को दोबारा चालू करने के आदेश पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने कड़ा विरोध जताया है। पार्टी के प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा मानकों की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

चौहान ने कहा कि जिस फैक्ट्री में पूर्व में हुए विस्फोट में कई निर्दोष श्रमिकों की मौत हुई थी और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे, उस हादसे की ठोस और पारदर्शी जांच भी पूरी नहीं हुई है। इसके बावजूद प्रशासन ने फैक्ट्री को फिर से शुरू करने का आदेश दे दिया, जो श्रमिकों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में आज भी औद्योगिक और श्रम सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा है। साथ ही प्रबंधन ने शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण किया है।

शिवसेना ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो बेमेतरा में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर प्रीतम सिंह चौहान को सौंपा गया। इस दौरान जिला कार्यकारिणी के राम चरण वर्मा, अनिल वर्मा, कृष्ण वर्मा, मेहतरु सोनी, देवप्रसाद वर्मा सहित कई शिवसैनिक मौजूद रहे।

प्रदेश प्रमुख डॉ. आनंद मल्होत्रा के निर्देश पर सौंपे गए ज्ञापन में शिवसेना ने 4 प्रमुख मांगें रखीं

फैक्ट्री संचालन पर तुरंत रोक: पुनः संचालन का आदेश तत्काल निरस्त किया जाए।

सुरक्षा मानकों की अनिवार्यता: स्वतंत्र जांच होने तक संचालन की अनुमति न दी जाए।

अवैध निर्माण हटाना: शासकीय भूमि से अवैध कब्जा और निर्माण हटाया जाए।

कड़ी कानूनी कार्रवाई: हादसे के जिम्मेदार और अवैध कब्जा करने वाले प्रबंधकों पर आपराधिक केस दर्ज हो।

जानकारी कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने साइंस पार्क का लिया जायजा, सुविधाएं पूरी करने के निर्देश

विज्ञान को आसान और रोचक बनाएगा ऊर्जा पार्क का साइंस पार्क

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले के मजगांव रोड स्थित ऊर्जा पार्क परिसर में विकसित किए गए साइंस पार्क का कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क में स्थापित विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों का अवलोकन कर बच्चों एवं विद्यार्थियों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को परिसर की साफ-सफाई, आवश्यक सुविधाओं और शेष निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, एसडीएम चेतन साहू, डीईओ एफ आर वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

34 से अधिक वैज्ञानिक मॉडल से समझेंगे विज्ञान

बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा विकसित करने के उद्देश्य से ऊर्जा पार्क परिसर में साइंस पार्क तैयार किया गया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से यहां विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल स्थापित किए गए हैं। इन मॉडलों को बी.एम. बिड़ला विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद द्वारा डिजाइन एवं विकसित किया गया है। साइंस पार्क में गुरुत्व केंद्र, ध्वनि संचरण, न्यूटन के गति के नियम, सौर ऊर्जा, ऑप्टिकल भ्रम और पास्कल सिद्धांत सहित 34 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग एवं प्रदर्शन मॉडल लगाए गए हैं। इनके माध्यम से बच्चे विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को प्रयोग और गतिविधियों के जरिए सरल एवं रोचक तरीके से समझ सकेंगे।

साफ-सफाई व सुविधाओं को लेकर दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों और आगंतुकों की सुविधा के लिए शौचालय सहित अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था समय पर पूरा करने को कहा। साथ ही शेष निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को शीघ्र पूरा कर परिसर को आकर्षक स्वरूप देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि साइंस पार्क जिले के बच्चों और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और विज्ञान के प्रति जिज्ञासा

एवं रुचि बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। उन्होंने पार्क की व्यवस्थाओं को इस तरह विकसित करने पर जोर दिया, ताकि यहां आने वाले बच्चे विज्ञान को देखकर, समझकर और प्रयोग करके सीख सकें। ऊर्जा पार्क परिसर में तैयार साइंस पार्क का जल्द ही शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद जिले के विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को यहां स्थापित वैज्ञानिक मॉडलों और प्रयोगों को देखने तथा उनके माध्यम से विज्ञान को समझने का अवसर मिलेगा।

नागरिकों और किसानों को दी खाद्य एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत खाद्य विभाग द्वारा जिला स्तरीय वन धन केंद्र, मोहला में सेवा सेतु कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवा सहकारी समिति मोहला के अध्यक्ष एवं समाजसेवी रमेश हिड़ामे शामिल हुए। उन्होंने किसानों एवं आम नागरिकों को खाद्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही सेवा सेतु एवं सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, सुगम एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाना है।

शिविर में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड योजना, ई-केवाईसी की महत्ता तथा एग्रीस्टैक पंजीयन की अनिवार्यता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। हितग्राहियों को बताया गया कि ई-केवाईसी एवं आवश्यक पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण होने से उन्हें योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। वहीं, वन नेशन वन राशन कार्ड के माध्यम से पात्र हितग्राही देश में किसी भी स्थान से अपनी पात्रता के अनुसार राशन प्राप्त कर सकते हैं। खाद्य विभाग की नोडल अधिकारी श्रीमती मंजुला सलाम की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में नागरिकों एवं किसानों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी दी गई।

श्रम दान करने पहुंचे सैकड़ों : तालाब साफ कराने विधायक ललित चंद्राकर ने की पहल

जलकुंभी से पटे रिसाली के तालाब को साफ कराने दुर्ग से मंगाया सर्फेस स्किमर मशीन

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

जल कुंभी से पटे रिसाली के तालाबों की सफाई सर्फेस स्किमर मशीन से की जा रही है। नागरिकों और वार्ड पार्षद के अनुरोध पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने पहल की। उन्होंने तालाब साफ कराने के लिए दुर्ग निगम से मशीन उपलब्ध कराई है।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि तालाब और पोखर को सहेजना अति आवश्यक है। तालाब का सौंदर्यीकरण पहले हो चुका है। वर्तमान में तालाब जलकुंभी से पट चुका है। कुछ दिनों पूर्व पार्षद और नागरिकों ने उन्हें ज्ञापन दिया था। दुर्ग महापौर से चर्चा के बाद उन्होंने यह मशीन रिसाली को कुछ दिनों के लिए उपलब्ध कराया। इसी मशीन से तालाबों की सफाई की जा रही है। यह मशीन जल कुंभी और पानी में तैर रहे जलीय पौध व अन्य कचरे को बाहर करेगा। इस अवसर पर आयुक्त मोनिका वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि वे तालाब को साफ रखने में निगम का सहयोग करे। गंदगी न फैलाए।

श्रम दान में जुटे सैकड़ों हाथ

विधायक ललित चंद्राकर के नेतृत्व में पार्षदों और नागरिकों ने स्वच्छता सेवा के तहत श्रम दान किया। श्रमदान के तहत जनप्रतिनिधि व नागरिकों ने तालाब के आसपास सफाई की। कचरा को एकत्र कर एस एल आर एम सेंटर पहुंचाया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, पार्षद विधि चंद्राकर, विलास बोरकर, सरिता देवगन, धर्मेंद्र भगत, ईश्वरी साहू, गजेंद्री कोठारी, शीला नारखेड़े, माया यादव, हरीश नायक, रमा साहू , विक्की चंद्राकर,सविता ढ़वस, सारिका साहू, मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल व अनुपम साहू आदि उपस्थित थे।

मंत्री कश्यप की पत्नी की कंपनी को MR-43 योजना में करोड़ों का फायदा पहुंचाने का आरोप, कांग्रेस ने मांगा इस्तीफा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने विष्णुदेव सरकार पर बड़ा भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। राजीव भवन में प्रेस वार्ता कर कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला और शहर अध्यक्ष कुमार शंकर मेनन ने कहा कि मंत्री केदार कश्यप की पत्नी की कंपनी को टफ-43 नगर विकास योजना की आड़ में 20 करोड़ से ज्यादा का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मंत्री केदार कश्यप की पत्नी शांति कश्यप की कंपनी राधिका पैलेस प्राइवेट लिमिटेड की 1.33 एकड़ जमीन खसरा क्र. 658/2, नालापारा बस्ती, कचना में है। जहां पहुंचने का रास्ता महज 6-7 फीट चौड़ा है, जिसकी कीमत कुछ लाख ही है। लेकिन RDA ने MR-43 नगर विकास योजना के तहत इस जमीन के बदले रायपुर-बलौदाबाजार रोड पर सड्डू चौक के पास 23,327 वर्गफीट का प्राइम कमर्शियल प्लॉट नंबर 25 दे दिया है, जो 45 मीटर यानी 150 फीट चौड़ी मुख्य सड़क पर है। कांग्रेस का कहना है कि सड़क बनने के बाद इस प्लॉट की कीमत 20 करोड़ से ज्यादा होगी।

कांग्रेस के 5 बड़े सवाल

मूल जमीन से 1 किमी दूर फाइनल प्लॉट क्यों? नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 50(3)(ii) के अनुसार फाइनल प्लॉट मूल प्लॉट से लगा हुआ होना चाहिए। फिर कचना की जमीन के बदले सड्डू में प्लॉट कैसे?

संकरी गली की जमीन के बदले मेन रोड पर प्राइम लोकेशन क्यों? जब योजना में 12 मीटर की अंदरूनी सड़कें भी हैं तो 150 फीट की MR-43 पर ही प्लॉट क्यों दिया गया?

इस जमीन को योजना में शामिल करना ही क्यों जरूरी था? क्या बिना इस 1.33 एकड़ के योजना नहीं बन सकती थी?

सार्वजनिक सुविधा के नाम पर अंदर की जमीन लेकर बाहर प्राइम प्लॉट कैसे? मूल जमीन MR-43 से 300 फीट अंदर है, उसे सार्वजनिक सुविधा के लिए लेकर बदले में व्यावसायिक चौक के पास प्लॉट देना किस सर्वे के आधार पर हुआ?

इस इलाके में योजना ही क्यों? अगर नया रायपुर विकसित करना है तो कचना-लाभांडी-सड्डू में ये योजना क्यों लाई गई? RDA तो नो प्रॉफिट के लिए बना है, फिर सैकड़ों करोड़ कमाने का उद्देश्य क्या?

कांग्रेस की मांगें

मंत्री केदार कश्यप इस्तीफा दें। मंत्री, उनकी पत्नी और अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग का केस दर्ज हो। MR-43 योजना के प्लॉट आवंटन की उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच हो। जांच तक योजना पर रोक लगे।

कांग्रेस ने कहा कि इस मामले में मुख्य सचिव को दो पत्र भेजे गए हैं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रेस वार्ता में मुख्य प्रवक्ता धनंजय ठाकुर, सुरेंद्र वर्मा, वंदना राजपूत सहित कई नेता मौजूद रहे।

इंदिरा मार्केट के कुआं चौक का होगा भगवान परशुराम चौक नामकरण

सकल ब्राह्मण समाज ने महापौर एवं सभापति का किया अभिनंदन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा मार्केट स्थित कुआं चौक का नामकरण भगवान परशुराम चौक किए जाने तथा भगवान परशुराम जी की मूर्ति स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराने की घोषणा के बाद सकल ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम महापौर अलका बाघमार के कक्ष में पहुंचकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर निगम सभापति श्याम शर्मा भी उपस्थित रहे।

सकल ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया तथा भगवान परशुराम जी के नाम पर चौक का नामकरण और मूर्ति स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया।समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि भगवान परशुराम जी के नाम से चौक का नामकरण एवं उनकी प्रतिमा की स्थापना समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इस निर्णय से समाज की भावनाओं को सम्मान मिला है। उन्होंने इसके लिए महापौर एवं सभापति के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि भगवान परशुराम जी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। उनके नाम पर चौक का नामकरण एवं प्रतिमा स्थापना से जुड़ी समाज की भावना का सम्मान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल नामकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आस्था के सम्मान का प्रतीक है। नगर निगम द्वारा जनभावनाओं एवं सामाजिक आस्था से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ लिया जा रहा है।

निगम सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम जी के नाम पर चौक का नामकरण एवं मूर्ति स्थापना का निर्णय सकल ब्राह्मण समाज की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। समाज की लंबे समय से चली आ रही भावना को सम्मान देते हुए यह पहल की गई है। भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनका जीवन समाज को सदैव प्रेरणा देता रहा है।

इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, मनमोहन शर्मा, अजय तिवारी, अजय शर्मा, राजेंद्र शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, कैलाश पंडा, अभिषेक अवस्थी, मयंक शर्मा, प्रशांत शास्त्री, शिवाकांत तिवारी, बृजमोहन तिवारी सहित बड़ी संख्या में सकल ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बीएसपी के एसपी-3 में बना आत्मनिर्भरता की मिसाल

सिंटर मशीन-1 के हर्थ लेयर हॉपर की क्षमता 60 से बढ़कर 110 टन हुई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट-3 में आंतरिक संसाधनों से बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। एसपी-3 की सिंटर मशीन-1 के हर्थ लेयर हॉपर की क्षमता 50 टन बढ़ा दी गई है। उन्नत हॉपर का उद्घाटन 29 सितंबर को तत्कालीन महाप्रबंधक (प्रचालन) ए.के. बेडेकर और एस.सी. चांवरिया ने किया। इस मौके पर GM प्रभारी राहुल बिजुरकर, GM इलेक्ट्रिकल भादेव टुडू समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

क्या थी समस्या और क्या हुआ समाधान?

पहले हॉपर की क्षमता 60 टन थी, जिससे सिर्फ 45 मिनट तक ही हर्थ लेयर सिंटर की सप्लाई चल पाती थी। 45 मिनट से ज्यादा का मेंटेनेंस या ब्रेकडाउन होने पर मशीन रोकनी पड़ती थी और उत्पादन प्रभावित होता था।

महाप्रबंधक द्वय के मार्गदर्शन में मल्टी-डिपार्टमेंट टीम ने 12 MM मोटी MS प्लेटों से हॉपर की ऊंचाई बढ़ाई। अब क्षमता 60 से बढ़कर 110 टन हो गई है।

फायदे:- मेंटेनेंस का समय 45 से बढ़कर 90 मिनट हो गया, उत्पादन नहीं रुकेगा। अतिरिक्त स्टोरेज से पैलेट पर थिकनेस मेंटेन रहेगी। ग्रेट बार की लाइफ बढ़ेगी। S105 BC के रिवर्सल में 40% कमी आएगी, मोटर की लाइफ बढ़ेगी

उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ेगी

इस कार्य को सफल बनाने में महाप्रबंधक आर.डी. शर्मा, DGM एम.यू. राव, एस.के. सतपथी, डी.के. गुप्ता, AGM जितेश शाहानी, एस.के. गुप्ता, सीनियर मैनेजर निरंजन एक्का, विपिन मौर्य, मैनेजर दिनेश मानिकपुरी, वी.के. चौधरी सहित पूरी टीम का योगदान रहा। अधिकारियों ने टीम को बधाई दी।

आशीष टिकरिया ने संभाला जनसंपर्क संचालक का पदभार, अधिकारियों ने किया स्वागत

रायपुर। जनसंपर्क विभाग के नव नियुक्त संचालक आशीष टिकरिया ने आज जनसंपर्क संचालनालय में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

पदभार ग्रहण करने के बाद टिकरिया ने विभागीय कामकाज की जानकारी ली और सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ मिलकर टीम भावना से काम करने की बात कही।

खाद्य व औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 3 फर्म मेसर्स पर की गई कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विगत गुरूवार, 30 सितम्बर को 03 फर्म मेसर्स शिवबाबा मेडिकल स्टोर्स, शंकर नगर, मेसर्स सांई सर्जिकल ओम परिसर, मेसर्स विजय मेडिकल एण्ड स्कीन केयर, स्टेशन रोड का निरीक्षण किया गया जो नियमानुसार संचालित पाए गए। 01 अक्टूबर 2026 को 05 फर्म मेसर्स भारती मेडिकल स्मृति नगर, मेसर्स देवांशी मेडिकल सिकोला, मेसर्स अनवी मेडिकल शांति नगर, मेसर्स आयुष मेडिकल अंजोरा, मेसर्स धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स अंजोरा का निरीक्षण किया गया, जिसमें मेसर्स अनवी मेडिकल स्टोर्स, शांति नगर में फार्मासिस्ट अनुपस्थित पाए जाने एवं विक्रय रिकार्ड का संधारण नहीं करने के कारण औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली 1945 के तहत विभाग द्वारा कार्यवाही की जाएगी।

सहायक औषधि नियंत्रक से मिली जानकारी अनुसार मेसर्स श्री वेदिका मेडिकल स्टोर्स कुम्हारी जिसका निरीक्षण 29 सितम्बर 2026 को किया गया था को शेड्यूल एच-1 औषधि का विक्रय रिकार्ड का संधारण नियमानुसार नहीं पाए जाने के कारण कारण बताओ सूचना पत्र प्रस्तावित किया गया है। मेसर्स मां हरसिद्धि मेडिकोज दुर्ग जिसका निरीक्षण 23 सितम्बर 2026 को किया गया था कुछ नार्कोटिक औषधियों के विक्रय रिकार्ड का संधारण नियमानुसार नहीं पाए जाने के कारण कारण बताओ सूचना पत्र प्रस्तावित किया गया है।

गांजा तस्करी दो जिलों से 341 किलो गांजा जब्त

सूरजपुर/सारंगढ़। छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने 2 जिलों में बड़ी कार्रवाई की है। प्लास्टिक दाना की बोरियों से कुछ बोरियों को अलग रखने पर लोगों को शक हुआ। जांच करने पर 238 किलो गांजा बरामद हुआ है। जिसकी कीमत 1 करोड़ 19 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर सुनील कुमार (32) को गिरफ्तार किया है। आरोपी यूपी के अलीगढ़ का रहने वाला है। मामला चंदौरा थाना क्षेत्र का है। वहीं, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में पुलिस और एएनटीएफ ने दो अलग-अलग मामलों में 103.11 किलो गांजा जब्त किया है। भटगांव में पुलिस की घेराबंदी के दौरान एडवोकेट हाईकोर्ट' लिखी कार से 63.350 किलो गांजा पकड़ा गया। बेलादुला में लोहे की अलमारी के अंदर छिपाकर रखा 39.76 किलो गांजा बरामद हुआ। दोनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100